हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष- 08, अंक- 274, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

2027 एकदिवसीय विश्कप खेलना है लक्ष्य...

संसद राष्ट्र निर्माण का मंच, न कि पराजय-विजय की राजनीति का अखाड़ा : प्रधानमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए विपक्ष और सत्ता पक्ष- दोनों से आग्रह किया कि यह सत्र न तो पराजय की बौखलाहट का मैदान बने और न ही विजय के अहंकार का मंच। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और अर्थतंत्र की मजबूती को आज दुनिया बड़ी बारीकी से देख रही है, ऐसे में संसद का हर क्षण राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग होना चाहिए, न कि राजनीतिक नकारात्मकता में व्यर्थ जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि संसद देश को प्रगति की नई गति देने और भविष्य की दिशा तय करने का अहम माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संसद का शीतकालीन सत्र भी देश की विकास यात्रा में नई ऊर्जा भरेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने लोकतंत्र को जिया है। लोकतंत्र की उमंग और उत्साह को समय-समय पर इस तरह प्रकट किया है कि लोकतंत्र के प्रति विश्वास और मजबूत होता रहता है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मतदान का जो आंकड़ा आया है, वह लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत का प्रमाण है। विशेष रूप से माताओं-बहनों की बढ़ती भागीदारी को उन्होंने देश की बदलती सोच और बढ़ते विश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल ऐसे हैं जो अपने पराजय भाव को पचा नहीं पाते। उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि बिहार के नतीजों के बाद समय के साथ सब संभल जाएंगे, लेकिन हाल की बयानबाजी से यह स्पष्ट है कि पराजय की पीड़ा अभी भी उन्हें विचलित कर रही है। यह दुखद है कि इस निराशा को वे संसद में लेकर आते हैं। उन्होंने बिना किसी दल का नाम लिए कहा कि संसद देश की नीतियों और भविष्य पर केंद्रित होनी चाहिए, न कि किसी राज्य की राजनीति का मंच बने। उन्होंने इस प्रवृत्ति को देश के लिए अस्वस्थ परंपरा करार दिया। मोदी ने कहा कि कुछ समय से संसद या तो चुनावों के लिए वार्म-अप अखाड़ा बन जाती है या फिर चुनावी हार के बाद गुस्सा निकालने का स्थल। यह परंपरा बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा, "नेगेटिविटी की राजनीति की कुछ उपयोगिता हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अनिवार्य है। आइए, नकारात्मकता को सीमित रखें और अपना ध्यान राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित करें। प्रधानमंत्री ने युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संसद में नई पीढ़ी के प्रतिनिधि नए विचारों और ताजगी भरे दृष्टिकोण के साथ आते हैं।

सामान्य परिवार से उपराष्ट्रपति पद तक का सफर लोकतंत्र की असली ताकत : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राज्यसभा में नव-निर्वाचित सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए उन्हें भारतीय लोकतंत्र की सशक्त मिसाल बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामान्य पृष्ठभूमि से राजनीतिक और सामाजिक जीवन के लंबे संघर्षों के बाद उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति और उसकी समान अवसर देने की क्षमता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा में कहा कि सभापति के रूप में सी.पी. राधाकृष्णन का सदन का नेतृत्व करना सभी सदस्यों के लिए गौरव का अवसर है। उन्होंने कहा, "आपके मार्गदर्शन में देश को प्रगति की राह पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, निर्णय और आपकी अमूल्य दिशा-ये सब हम सभी के लिए बहुत बड़ा अवसर है। सदन की ओर से और व्यक्तिगत रूप से मैं आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सदन के सभी सदस्य उच्च सदन की गरिमा और सभापति के पद की मर्यादा को सदैव बनाए रखेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने राधाकृष्णन के सामाजिक और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि वे एक किसान परिवार और अत्यंत सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं। समाज सेवा उनके जीवन की मूल भावना रही है और राजनीति उसमें एक पहलू मात्र रही। उन्होंने कहा कि युवावस्था से लेकर आज तक सभापति का समाज के प्रति समर्पण उन सभी के लिए प्रेरणा है जो सेवा कार्यों से जुड़े हैं। मोदी ने कहा, "सामान्य परिवार और समाज से आपकी यात्रा यहां तक पहुंची है। यह हम सभी को मार्गदर्शन देती है और भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत को प्रकट करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राधाकृष्णन ने कभी आसान रास्ता नहीं चुना। आपातकाल के दौरान उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए साहस और दृढ़ता के साथ संघर्ष किया।

सांसदों को जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारीः जेपी नड्डा

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि सभापति राधाकृष्णन ने सत्य को समझा है और जीवन का मार्ग चुनने की कला को अपने जीवन में अपनाया है। नड्डा ने कहा, "मल्लिकार्जुन खरगे साहब कह रहे थे कि आप कांग्रेस के घराने से आते हैं। मैं इसे दूसरे तरीके से देखता हूं। कांग्रेस घराने से आते थे और संघ की शाखा से जुड़े। आपके बड़ों ने तकरीर भी की, ये भी कहा कि ये गैर राष्ट्रवादी हैं, आपका जवाब था कि मैंने उनको देखा-परखा है, साथ काम किया है और वह राष्ट्रवादी हैं और सही राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि सभापति कभी दवाब में नहीं आए। स्वचेतना से आपने अपने जीवन की विचारधारा की राह तय की। सारा जीवन सामाजिक कार्यों में गया। आपका काम करने का तरीका समाज के प्रति समर्पण हमेशा दिखता रहा। भले ही सभापति का अनुभव राजनीतिक क्षेत्र में रहा है, लेकिन वे सदैव सामाजिक मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं। उन्होंने राधाकृष्णन द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का उल्लेख किया—दो बार सांसद, अहम कमेटियों में रहे और महाराष्ट्र व झारखंड के राज्यपाल के रूप में सेवा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राधाकृष्णन समर्पण के साथ राज्यसभा का नेतृत्व करेंगे। नड्डा ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें संसद का जिम्मेदार सदस्य होना चाहिए, न कि गैर-जिम्मेदार पेशेवर आंदोलनकारी। इससे पहले सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपराष्ट्रपति एवं नवनियुक्त सभापति राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए आश्वासन दिया कि सदन की निष्पक्ष एवं सुचारु कार्यवाही में विपक्ष पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के सदस्यों को समान अवसर मिलना चाहिए। खरगे ने अपने पूर्व सभापति के "अप्रत्याशित और अचानक" इस्तीफे का उल्लेख किया और कहा कि राज्यसभा पूरे सदन की संरक्षक है, यह जितनी सरकार की है उतनी ही विपक्ष की भी है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने आपत्ति जताई। खरगे ने कहा कि उन्हें अफसोस है कि सदन को पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ को विदाई देने का अवसर नहीं मिला। खरगे के इस बयान पर सदन में हंगामा शुरू हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शोरगुल के बीच कहा कि सदन में विपक्ष के नेता का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें इस मौके पर पूर्व सभापति का जिक्र नहीं करना चाहिए था। कांग्रेस ने दो बार उनके खिलाफ पद से हटाने का नोटिस दिया था और उसकी कॉपी भी मौजूद है। उन्होंने उनका अपमान किया और आज इस पवित्र मौके पर सदन को ज्ञान दे रहे हैं। इस पर जेपी नड्डा ने हस्तक्षेप करते हुए इस मुद्दे को अप्रासांगिक बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही पूर्व सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले कर आई थी। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सदन के बाहर अपना वक्तव्य दिया। बिहार, हरियाण की हार ने कांग्रेस को तकलीफ पहुंचाई है। उस तकलीफ को डॉक्टरों के सामने बोलना चाहिए। फिलहाल सभापति का अभिनंदन चल रहा है तो सभी सदस्य उसी पर केंद्रित रहें तो अच्छा रहेगा। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्राइन, डीएमके के त्रिची शिवा, आरपीआई(ए) के रामदास आठवले सहित सभी दलों के नेताओं ने उनका स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

मसाला बॉन्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री विजयन, पूर्व मंत्री इसाक को ईडी का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एजेंसी ने केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) मसाला बॉन्ड से संबंधित मामले में 466 करोड़ रुपये का फेमा नोटिस भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि ईडी ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के द्वारा जारी 'मसाला बॉन्ड' से जुड़े कथित उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इस मामले में पूर्व वित्त मंत्री टी.एम. थॉमस इसाक और केआईआईएफबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के.एम. अब्राहम को भी ईडी से नोटिस मिला है। ईडी की ये जांच केआईआईएफबी द्वारा मसाला बॉन्ड के माध्यम से 2,000 करोड़ रुपये जुटाने और फेमा मानदंडों के अनुपालन से संबंधित है। केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड बड़ी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए राज्य सरकार की प्राथमिक एजेंसी है।

तूफान दित्वा ने बदला रुख, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ा

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान दित्वा जो वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर केंद्रित है, पिछले छह घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ गया है। आईएमडी के मुताबिक यह सोमवार सुबह 5:30 बजे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों, उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर केंद्रित था। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर बना गहरा दबाव पिछले 6 घंटों में 10 किमी प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से चक्रवात दित्वा के अवशेषों के केंद्र की न्यूनतम दूरी करीब 40 किमी है। मौसम संगठन ने भविष्यवाणी की है कि गहरा अवदाब संभवतः उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के समानांतर उत्तर की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और अगले 12 घंटों में एक अवदाब में कमजोर हो जाएगा। आईएमडी ने कहा कि उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों से गहरे अवदाब के केंद्र की न्यूनतम दूरी करीब 40 किमी है। इसके अगले 12 घंटों में उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के समानांतर उत्तर की ओर धीरे-धीरे आगे बढ़ने और एक अवदाब में कमजोर होने की संभावना है।

झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस में पदभार ग्रहण, रमा खलको बनीं नई अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस। रांची

झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस का पदभार ग्रहण समारोह कांग्रेस भवन में आयोजित हुआ, जहां नवनियुक्त अध्यक्ष रमा खलको ने निवर्तमान अध्यक्ष गुंजन सिंह से पदभार संभाला। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कांग्रेस लगातार प्रयासरत है, लेकिन केंद्र सरकार महिला आरक्षण कानून लागू नहीं कर रही, जो महिलाओं के साथ धोखा है। उन्होंने झारखंड में महिला आयोग के गठन की मांग भी उठाई। नई अध्यक्ष रमा खलको ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में कार्य करना प्राथमिकता होगी और एक मजबूत महिला संगठन खड़ा किया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, डॉ. इरफान अंसारी सहित कई नेताओं और बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

फुटवियर व्यवसाय के विस्तार से छात्र बनेंगे उद्यमीः राष्ट्रपति

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि वैश्विक बाज़ार में पैठ मजबूत करने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, जो सीधे छात्रों के लिए उद्यमिता और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुर्मु ने आज नई दिल्ली में फुटवियर डिज़ाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा, "आज भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है तथा वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी आर्थिक भूमिका का और अधिक विस्तार करने में सक्षम है। राष्ट्रपति ने बताया कि देश फुटवियर उत्पादन और खपत के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत का फुटवियर निर्यात 250 करोड़ डॉलर से थोड़ा अधिक था जबकि हमारा आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार भारत का फुटवियर निर्यात आयात से लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में फुटवियर का एक प्रमुख निर्यातक है लेकिन निर्यात को और बढ़ाने के लिए फुटवियर कारोबार का विस्तार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत हमारे सहयोग के गहराने का एक और आयाम है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौता ज्ञापन में टिकाऊ सामग्री और चक्रीय अर्थव्यवस्था की पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दोनों देशों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका काम केवल डिज़ाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के लिए बहुआयामी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वे अपने फुटवियर डिजाइन को स्वास्थ्य और आजीविका का माध्यम बनाएं, रोजगार सृजन करें, आर्थिक असमानता को दूर करने में सहायक बनें, भारतीय निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं और गुणवत्ता के बल पर वैश्विक बाजार में भारत का प्रतिनिधित्व करें। इस प्रकार वे 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सीधे तौर पर भागीदार बनेंगे। उल्लेखनीय है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत फुटवियर क्षेत्र को 'चैंपियन सेक्टर' का दर्जा दिया है।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान तेज़, 4 दिसंबर को 630 पदाधिकारियों का सम्मेलन

रांची। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत बूथ स्तर पर प्रतिनिधियों (BLA) की नियुक्ति जारी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि प्रखंड एवं पंचायत स्तर की संगठन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और 15 दिसंबर तक सभी बूथों पर बीएलए नियुक्त करने का निर्देश जिला अध्यक्षों को दिया गया है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र के अनगड़ा के 16 पंचायत, नामकुम के 22 पंचायत और नगड़ी के 3 पंचायतों सहित कुल 630 पंचायत पदाधिकारियों एवं बीएलए का सम्मेलन 4 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे नामकुम प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित लपंग टोली में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में प्रदेश प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद उपस्थित रहेंगे।

हेमंत सरकार की सच्चाईः नेताओं के लिए चमक, छात्रों के लिए अंधकार : राफ़िया नाज़

रांची। झारखंड में छात्रवृत्ति वितरण में हो रही लगातार देरी पर प्रदेश प्रवक्ता राफ़िया नाज़ ने हेमंत सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार गैर-ज़रूरी आयोजनों और नेताओं की सुविधाओं पर तो खुलकर खर्च कर रही है, लेकिन छात्रवृत्ति जैसी बुनियादी आवश्यकता पर उदासीन है। राफ़िया नाज़ ने बताया कि 2023-24 और 2024-25 में कई जिलों में पोस्ट-मैट्रिक और प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित है।

– धनबाद में 25,000 से अधिक OBC छात्र कई महीनों से भुगतान से वंचित हैं।

– पूर्वी सिंहभूम में कॉलेज के 500 और प्री-मैट्रिक के 10,459 छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली।

– रांची में 74,353 प्री-मैट्रिक छात्रों का भुगतान अब तक लंबित है।

उन्होंने कहा कि स्थिति केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है; विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ भी चरमराई हुई हैं। राफ़िया नाज़ ने कहा कि छात्रवृत्ति छात्रों के लिए जीवनरेखा है, और देरी के कारण कई छात्र पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से लंबित छात्रवृत्तियों का तत्काल भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि युवा वर्ग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष न करे और उनका भविष्य सुरक्षित रह सके।

अंतर्राष्ट्रीय आईडिया - दुनिया भर में लोकतंत्र के समर्थन के 30 साल

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग और देश के सभी चुनाव कर्मचारियों द्वारा आयोजित स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों की वैश्विक स्वीकृति के रूप में, सीईसी ज्ञानेश कुमार भारत की ओर से 3 दिसंबर, 2025 को स्टॉकहोम, स्वीडन में अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनावी सहायता संस्थान (अंतर्राष्ट्रीय आईडिया) की अध्यक्षता ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। 1995 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय आईडिया एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें वर्तमान में 35 देश सदस्य हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान पर्यवेक्षक हैं। (सदस्य देशों की सूची और संबंधित निर्वाचन क्षेत्र अनुलग्नक में हैं)। अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए को 2003 से संयुक्त राष्ट्र महासभा में पर्यवेक्षक का दर्जा भी प्राप्त है। भारत अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए का संस्थापक सदस्य है और उसने शासन प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया है और चुनावी अनुसंधान, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग किया है। 90 करोड़ से अधिक मतदाताओं के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत 2026 के लिए अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए की अध्यक्षता ग्रहण करते समय चुनावी प्रशासन में अपने व्यापक अनुभव का लाभ उठाएगा, जिससे दुनिया भर में चुनाव प्रबंधन निकायों को मजबूत बनाने में योगदान मिलेगा।

▪ मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार भारत की ओर से 3 दिसंबर, 2026 को अंतर्राष्ट्रीय आईडिया की अध्यक्षता ग्रहण करेंगे

दिल्ली ही नहीं अब आर्थिक नगरी मुंबई भी प्रदूषण की चपेट में, ग्रैप-4 लागू

नई सोच एक्सप्रेस। मुंबई

देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या सालों से चली आ रही है, लेकिन मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे अन्य महानगरों में कमोबेश राहत है। अब यह समस्या मुंबई में भी दिखाई देने लगी है। आर्थिक नगरी में प्रदूषण का लेवल बढ़ने और हवा खराब होने के चलते पाबंदियां लगा दी गई हैं। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू की गई हैं ताकि प्रदूषण को कंट्रोल किया जा सके। इस तरह मुंबई भी अब प्रदूषण मामले में दिल्ली की कतार में खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई के कई इलाकों की हवा खराब और अत्यंत खराब की श्रेणी में आ गई है। इन इलाकों में मडगांव, देवनार, मलाड, बोरिवली ईस्ट, चकाला-अंधेरी ईस्ट, नेवी नगर, पोवई और मुलुंड शामिल हैं। इसके चलते बीएमसी ने सभी निर्माण कार्यों और ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा दी है, जिनसे धूल उड़ती है। इसके अलावा दर्जनों साइट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। करीब 50 निर्माण स्थलों को नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का पालन ना होने पर उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जा सकता है। यही नहीं बीएमसी ने हर वार्ड में फ्लाइंग स्क्वॉड की भी नियुक्ति की है ताकि धूल पर नियंत्रण किया जाए और प्रदूषण की निगरानी रख सकें। समुद्र किनारे होने और हवा की रफ्तार अमूमन दिल्ली जैसे शहरों के मुकाबले तेज होने के चलते मुंबई में प्रदूषण कम रहा है, लेकिन वहां भी समस्या बढ़ने से चिंताएं पैदा हुई हैं। इन पाबंदियों को लागू करने के बाद भी मुंबई का एक्यूआई 187 है, जो अनहेल्डी कैटिगरी में आता है। वहीं बेंगलुरु का एक्यूआई 118 है और कोलकाता में तो यह काफी ज्यादा बढ़कर 236 पर पहुंच गया है। बता दें दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषण वाले 10 शहरों में तीन शहर भारत के हैं।

शिवगंगा सड़क हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को सहायता की घोषणा की

नई दिल्ली। तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए सड़क हादसे पर सोमवार को पीएम मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया, साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 40 घायल हुए हैं। पीएमओ की ओर से एक्स पर लिखा- तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए हादसे में लोगों की मौत बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2-2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपए मिलेंगे। बता दें यह टक्कर रविवार शाम कुम्मनगुडी के पास हुई, जब दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बसों के टूटे-फूटे हिस्सों में फंस गए। स्थानीय लोग ने मदद करने दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला और अस्पताल भिजवाया।

सीएम ममता एसआईआर के खिलाफ मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में करेंगी रैलियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपना रोष जताएंगी इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा भी करेंगी। टीएमसी सूत्रों ने बताया कि सीएम ममता बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली में उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर का दुरुपयोग किया जा रहा है। टीएमसी अपने जिलावार अभियान को बीजेपी के घुसपैठियों का सफाया के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। टीएमसी नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में 3 और 4 दिसंबर को जबकि कूचबिहार में 9 दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का फैसला लिया गया है।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

शीतकालीन सत्र से पूर्व सभापति ने सभी दलों की बैठक बुलाई

पटना। बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने 211वें शीतकालीन सत्र के सुगम और प्रभावी संचालन को लेकर सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाई। बैठक में विभिन्न दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सत्र को शांतिपूर्ण व रचनात्मक बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। सभापति ने सभी दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सदन का सुचारू संचालन जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, उप सभापति प्रो. (डॉ.) राम वचन राय सहित कई विधायी सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान विधान परिषद् के सदस्य संजय कुमार सिंह, रीना देवी, प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, संजीव कुमार सिंह, सर्वेश कुमार, समीर कुमार सिंह, महेश्वर सिंह, नवल किशोर यादव, संजय सिंह, शशि यादव और परिषद् के सचिव अखिलेश कुमार झा भी उपस्थित थे।

नावी परिवादों की समीक्षा हेतु जदयू जांच समिति की चैथी बैठक आयोजित

पटना। सोमवार को बिहार जनता दल यू के प्रदेश कार्यालय, पटना में पार्टी द्वारा गठित जांच समिति की चैथी बैठक आहूत की गई। बैठक में बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 की संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पार्टी एवं एनडीए प्रत्याशियों के विरुद्ध कथित गठबंधन-विरोधी गतिविधियों से संबंधित प्राप्त सभी परिवादों का क्रमबद्ध रूप से विस्तृत परीक्षण एवं प्रकरणवार गहन समीक्षा की गई। यह समीक्षा प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से आगे भी जारी रहेगी, ताकि प्रत्येक परिवाद का निष्पक्ष एवं तथ्यपरक निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। इस बैठक में जांच समिति के संयोजक, पूर्व सांसद एवं अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, समिति के दोनों सदस्य, मुख्य प्रवक्ता सह विधानपार्षद नीरज कुमार एवं मुख्यालय प्रभारी अनिल कुमार तथा मुख्य रूप से उपस्थित वासुदेव कुशवाहा एवं डाअमरदीप शामिल रहे।

लोकहित के मुद्दों से दूर आरजेडी, तेजस्वी की राजनीति निजी लाभ तक सीमित : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि आरजेडी को यह समझना चाहिए कि राजनीति व्यक्तिगत आकांक्षाओं, सुविधा और निजी स्वार्थ का माध्यम नहीं होती, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और उनकी समस्याओं के समाधान का संकल्प है। जिस प्रकार एक साधारण से मकान के मुद्दे पर आरजेडी की ओर से अनावश्यक हंगामा और हाय-तौबा मचाई जा रही है, वह किसी भी तरह से राजनीतिक विमर्श का विषय नहीं हो सकता। जनता के वास्तविक मुद्दों से भटकाकर सहानुभूति बटोरने की यह कोशिश उनके चरित्र और मंशा दोनों को उजागर करती है। राजनीति त्याग, अनुशासन और लोकहित की भावना से चलती है, न कि निजी सुविधा, लाभ या परिवार की समृद्धि के इर्द-गिर्द। सच्चा राजनीतिज्ञ वही होता है जो अपनी सुविधा को पीछे रखकर जनता के लिए खड़ा हो, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आरजेडी और तेजस्वी यादव की राजनीति का मूल केंद्र हमेशा व्यक्तिगत लाभ और पारिवारिक सुखदृसुविधा रही है। यही कारण है कि बिहार की जनता बार-बार उन्हें सत्ता के शिखर तक पहुंचने के अवसर से वंचित करती आई है, क्योंकि आम लोग समझ चुके हैं कि उनके लिए जनता नहीं, बल्कि परिवार और संपत्ति प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि वहीं दूसरी तरफ जनता की समस्याओं पर काम करना ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीति का वास्तविक आधार रहा है। बिहार की जनता छलावे नहीं चाहती, बल्कि ईमानदार कार्य, पारदर्शी नेतृत्व और विकास की ठोस नीयत चाहती है। आरजेडी को चाहिए कि वह अनर्गल विवाद खड़े करने की बजाय जनता के वास्तविक मुद्दों पर लौटे और राजनीति को स्वार्थ नहीं, सेवा का माध्यम बनाए।

नई ऊर्जा के साथ विकास के नए संकल्पों को साकार करेगी नीतीश सरकार : उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार राज्य के समग्र विकास हेतु नई ऊर्जा के साथ विकास के नए संकल्पों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध और दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विकास के रोडमैप को धरातल पर उतारने तथा जनता की अपेक्षाओं पर शत-प्रतिशत खरा उतरने हेतु पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जैसा ईमानदार, दूरदर्शी और निष्ठावान नेतृत्व मिलना बिहारवासियों के लिए सचमुच सौभाग्य की बात है। हमारे नेता निस्वार्थ भाव और पूर्ण समर्पण के साथ लंबे समय से बिहार की सेवा में निरंतर लगे हुए हैं। यही कारण है कि बतौर मुख्यमंत्री बीस वर्षों से अधिक के लंबे कार्यकाल के बावजूद आम जनता का विश्वास उनके प्रति लगातार और अधिक मजबूत होता गया है। श्री कुशवाहा ने कहा कि श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने सदैव जनकल्याण की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। साथ ही, विकास की पहुँच प्रदेश के हर गाँव और हर व्यक्ति तक सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार ने अनेक उल्लेखनीय कार्यों को प्रभावी रूप से जमीन पर उतारा है। उन्होंने कहा कि आने वाले पाँच वर्ष बिहार के समग्र विकास को नई उड़ान देने वाले साबित होंगे। विशेष रूप से उद्योग, निवेश और स्वरोजगार के क्षेत्र में बिहार एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। आने वाले दिनों में विकास के मानचित्र पर बिहार नई और महत्वपूर्ण लकीर खींचने जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कृषि मंत्री रामकृपाल यादव को लगाया गले

पटना। बिहार विधानमंडल का सत्र सोमवार से औपचारिक रूप से शुरू हो गया और विधानसभा परिसर सुबह से ही राजनीतिक हलचल से महक उठा। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया शुरू होते ही सदन में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक तेवर तो दिखे, लेकिन साथ ही शिष्टाचार की झलक भी देखने को मिली। मंत्रियों के शपथ ग्रहण में एक दिलचस्प दृश्य तब देखने को मिला जब कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने शपथ ली, तुरंत बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उनकी सीट पर जाकर उन्हें गले लगाकर बधाई दी। सबसे पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शपथ ली, जिसके बाद विजय सिन्हा ने शपथ लेकर अपने पद की पुष्टि की। वरीयता क्रम के आधार पर मंत्रियों को शपथ के लिए बुलाया गया और विधानसभा सचिव ने पूरी प्रक्रिया का संचालन किया। मंत्रियों के शपथ ग्रहण में एक दिलचस्प दृश्य तब देखने को मिला जब कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने शपथ ली—तुरंत बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उनकी सीट पर जाकर उन्हें बधाई दी। इस सियासी टकराव के माहौल में यह क्षण सौहार्द और लोकतांत्रिक शालीनता का प्रतीक साबित हुआ।सभी मंत्रियों के शपथ लेने के बाद अब क्रम विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार विधायकों का है, जिनकी शपथ प्रक्रिया जारी है। इसी बीच महागठबंधन के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव भी विधानसभा पहुंचे। राजद और महागठबंधन के विधायकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।हालांकि गौर करने वाली बात यह रही कि चुनाव नतीजों के बाद से तेजस्वी यादव ने मीडिया से दूरी बनाए रखी है। आज भी उन्होंने किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से परहेज किया—यह खामोशी उनके अंदरूनी राजनीतिक मंथन का इशारा भी मानी जा रही है। कुल मिलाकर, बिहार विधानसभा के पहले दिन शपथ की औपचारिकताओं के बीच शिष्टाचार, सियासी संदेश और विपक्ष की खामोशी तीनों ने मिलकर एक अलग ही राजनीतिक तस्वीर पेश की।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 18वें विधानसभा के प्रथम सत्र में विधायकों से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 18वें विधानसभा के प्रथम सत्र में आयोजित शिष्टाचार भेंट के दौरान सभी विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में सभी विधायकों को एकजुट होकर बिहार के विकास और जनता की भलाई के लिए काम करना होगा। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की और कहा कि विधायकों के बीच सौहार्द व समानता का माहौल बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही मुख्यमंत्री ने विधायकों को संवैधानिक मर्यादा और जिम्मेदारी समझाते हुए कहा कि सदन में चर्चा और विधायी कार्य सकारात्मकता और आर्थिक विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने नए विधायकों का सदन में स्वागत करते हुए उनसे उम्मीद जताई कि वे जनता के प्रति जवाबदेही और सेवा भाव के साथ जिम्मेदार भूमिका निभाएंगे।यह शिष्टाचार भेंट विधानसभा सत्र की गरिमामय शुरुआत का प्रतीक रही, जिसमें राजनीतिक सद्भाव और विकास की भावना प्रमुख थी।

» मुख्यमंत्री ने आगामी विधानसभा सत्र में सभी विधायकों कहा है कि,हमें एकजुट होकर बिहार के विकास और जनता की भलाई के लिए काम करना होगा

एनडीए की ओर से विधायक व पूर्व मंत्री प्रेम कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।एनडीए (भाजपा)की ओर से 9वीं बार गया सदर सीट के विधायक और पूर्व मंत्री प्रेम कुमार ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों सहित एनडीए के तमाम वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में यह नामांकन हुआ। उनके निर्विरोध निर्वाचित होने की पूरी संभावना है। सूत्रों के अनुसार, महागठबंधन (विपक्ष) ने स्पीकर पद पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है, क्योंकि विपक्ष के पास सिर्फ 35 विधायक हैं। ऐसे में एनडीए की ओर से प्रेम कुमार का निर्वाचन बिना किसी प्रतिस्पर्धा के हो जाएगा। स्पीकर पद के लिए नामांकन की अंतिम तिथि आज शाम 3 बजे तक है। मंगलवार तक उम्मीदवार अपना नाम वापसी ले सकते हैं। इसी दिन विधानसभा में स्पीकर का औपचारिक निर्वाचन होगा। प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव इसकी अध्यक्षता करेंगे। एनडीए के भीतर ये सहमति पहले से बनी हुई थी कि स्पीकर का पद भाजपा को मिलेगा, जबकि उप- स्पीकर का पद जदयू के खाते में जाएगा। प्रेम कुमार बीजेपी के कद्दावर नेता हैं। गया सदर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वो इस सीट से लगातार नौवीं बार विधायक चुने गए हैं, जो उनकी राजनीतिक स्थिरता और लोकप्रियता को दिखाता है। एक पूर्व मंत्री के रूप में, उन्हें विधायी और प्रशासनिक दोनों तरह का व्यापक अनुभव है, जो उन्हें विधानसभा अध्यक्ष के पद के लिए एक मजबूत उम्मीदवार बनाता है।

» निर्विरोध निर्वाचन की पूरी संभावना

बिहार विधानसभा में दिखी तीसरी पीढ़ी के विधायकों की एंट्री

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार विधानसभा में राजनीतिक परिवारों की तीसरी पीढ़ी तक की मजबूत मौजूदगी देखने को मिल रही है। करिश्मा राय, रूहेल रंजन, अतिरेक कुमार और अन्य नेताओं के पारिवारिक राजनीतिक सफर तय कर विधानसभा पहुंची हैं। इस बार सदन में न सिर्फ दूसरी पीढ़ी के, बल्कि कई राजनीतिक घरानों की तीसरी पीढ़ी ने भी जगह बनाई है। कई नए चेहरे ऐसे हैं जिनके दादा और पिता दोनों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ा है। परिणामों में साफ दिखाई देता है कि पुराने राजनीतिक परिवार अब भी जनता में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं।सारण जिले की परसा सीट से आरजेडी की करिश्मा राय ने जीत हासिल कर परिवार की राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाया है। करिश्मा के दादा दारोगा प्रसाद राय बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे, जबकि दादी भी विधायक के रूप में सक्रिय रहीं। उनके पिता चंद्रिका राय इस क्षेत्र के कई बार विधायक रहे हैं। राय परिवार ने अपनी राजनीतिक यात्रा में लगातार जनसमर्थन पाया है और इस बार करिश्मा ने उसी विश्वास को नई ऊर्जा दी है। जेडीयू के युवा चेहरों में शामिल रूहेल रंजन ने इस्लामपुर सीट से जीत दर्ज की है। उनके दादा रामशरण सिंह बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते थे और मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई। उनके पिता राजीव रंजन भी इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। अब रूहेल ने परिवार की तीसरी पीढ़ी के तौर पर विधानसभा में कदम रखा है। कुशेश्वरस्थान सीट पर जीत दर्ज करने वाले जेडीयू के अतिरेक कुमार भी प्रसिद्ध राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके दादा बालेश्वर राम केंद्र सरकार में मंत्री रहे थे और सांसद व विधायक के रूप में भी उनकी छाप रही। पिता अशोक कुमार छह बार विधायक चुने गए और राज्य सरकार में मंत्री भी बने। अतिरेक ने अपने अनुभव और परिवार की राजनीतिक जमीन पर आगे बढ़ते हुए पहली बार सदन में प्रवेश किया है।दानापुर से बीजेपी के नवनिर्वाचित विधायक ने भले ही पहली बार विधानसभा की सदस्यता हासिल की हो, लेकिन राजनीतिक अनुभव की उनकी पृष्ठभूमि बेहद समृद्ध है। वे पहले विधान परिषद, राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं। पटना नगर निगम में पार्षद और उपमहापौर के रूप में भी उन्होंने शहर की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। इस बार उन्हें कृषि विभाग की जिम्मेदारी भी मिली है।नवीनगर से जेडीयू के चेतन आनंद ने जीत दर्ज कर अपने परिवार की राजनीतिक परंपरा को आगे बढ़ाया है। उनके पिता आनंद मोहन बिहार के प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते थे और विधायक व सांसद दोनों पदों पर रहे। उनकी मां लवली आनंद भी सांसद हैं और दो बार विधायक रह चुकी हैं।

ममता दीदी के इशारे पर बीएलओ को एसआईआर करने से रोका जा रहाः मंगल

पटना। बिहार के स्वास्थ्य व विधि मंत्री एवं भाजपा पश्चिम बंगाल प्रभारी मंगल पांडेय ने टीएमसी सरकार की कड़ी अलोचना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीएम ममता दीदी अपने राज्य में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह बाधित कर रही हैं। वो सत्ता का दुरुपयोग कर बीएलओ पर प्रदर्शन का दबाव बना रही हैं। अभी हाल ही में बिहार में चुनाव आयोग के दिशा - निर्देश पर एसआईआर प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न हुई और बिहार में केवल दो चरणों में ही शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव भी संपन्न हो गया। देश के अन्य हिस्सों में भी एसआईआर पर कोई विवाद नहीं है। मगर पश्चिम बंगाल की अराजक सरकार की मुखिया ममता दीदी हार के डर से एसआईआर की प्रक्रिया के खिलाफ मोर्चा खोल चुकी हैं।

चैम्बर का प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री से मिला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल कृषि मंत्री राम कृपाल यादव से उनके कार्यलय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात कर राज्य के उद्यमियों एवं व्यापारियों की ओर से अभिनन्दन करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चैम्बर उपाध्यक्ष विशाल टेकरीवाल ने बताया कि मंत्री जी का कृषि क्षेत्र से काफी जुड़ाव रहा है और हमें पूर्ण विश्वास है कि इनके नेतृत्व में किसानों को उचित मूल्य एवं ससमय बीज, खाद, पानी तथा बिजली की समुचित व्यवस्था होगी जिससे किसानों को पैदावार को बढ़ाने में सहायक होगा। किसी भी देश के विकास में उसके अन्नदाता किसानों की प्रमुख भूमिका होती है। केन्द्र सरकार के सहयोग से नई सरकार बिहार के आर्थिक प्रगति के नये आयामों तक पहुँचाने में अवश्य सफल होगी। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष विशाल टेकरीवाल, महामंत्री मुकेश कुमार जैन पूर्व अध्यक्ष सुभाष पटवारी, पूर्व उपाध्यक्ष आशिष शंकर, पूर्व महामंत्री पशुपति नाथ पाण्डेय तथा ए० के० पी० सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्य श्रवण गोयनका, पवन भगत एवं अजय गुप्ता शामिल थे।

बेटे को मंत्री बनाने के बाद 'बगावत' पर बड़ा एक्शन, उपेंद्र कुशवाहा ने भंग की रालोमो की पूरी टीम, 5 नेताओं को सौंपी कमान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बेटे को मंत्री बनाने के फैसले के बाद राष्ट्रीय लोक मोर्चा में मचे घमासान के बीच पार्टी सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को एक बेहद सख्त और बड़ा फैसला लिया है। पार्टी के भीतर उठ रहे विरोध के सुर और वरिष्ठ नेताओं के इस्तीफे के बाद कुशवाहा ने 'डैमेज कंट्रोल' करते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्रदेश इकाई समेत सभी प्रकोष्ठों और जिला इकाइयों को भंग कर दिया है । रविवार को पटना में आयोजित कोर कमेटी की बैठक में यह कड़ा निर्णय लिया गया । इस बैठक की अध्यक्षता खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने की । पार्टी में अनुशासन बनाए रखने और संगठन को नए सिरे से खड़ा करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता फजल इमाम मल्लिक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की । राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उपेंद्र कुशवाहा द्वारा अपने बेटे को मंत्री बनाए जाने के बाद से ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में भारी नाराजगी थी। दबी जुबान में विरोध के सुर उठ रहे थे, जो धीरे-धीरे बगावत में बदलने लगे थे। खबर है कि इस फैसले से नाराज होकर पार्टी के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता जैसे अहम पदों पर बैठे नेता पहले ही किनारा कर चुके थे। माना जा रहा है कि असंतोष की इसी आग को ठंडा करने और संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए कुशवाहा ने पूरी टीम को ही भंग कर दिया है। पुराने ढांचे को ध्वस्त करने के बाद, उपेंद्र कुशवाहा ने पार्टी के संचालन के लिए एक अस्थायी व्यवस्था की है। पार्टी को चलाने के लिए तत्काल प्रभाव से पांच सदस्यीय 'संचालन समिति' का गठन किया गया है । मदन चौधरी को इस समिति का संयोजक बनाया गया है । समिति के अन्य सदस्यों में सुभाष चंद्रवंशी, प्रशांत पंकज, हिमांशु पटेल और आर. के. सिन्हा शामिल हैं । फैसले के वक्त बैठक में विधायक माधव आनंद, आलोक सिंह, रामपुकार सिन्हा, जंगबहादुर सिंह, अंगद कुशवाहा, ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह, ब्रजेन्द्र पप्पू, चन्दन बागची, सुकुल राम और स्मृति कुमुद जैसे नेता मुख्य रूप से मौजूद थे ।

बिहार में केवल चुनाव तक था गठबंधनः राजेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। चुनाव के बाद राज्य कमेटी की यह पहली बड़ी बैठक रही। मीटिंग के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि समीक्षा बैठक के बाद कई फैसले लिए गए। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और फिर से संगठन का स्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए बिहार भर में घूमेगी। जल्द से जल्द संगठन को खड़ा करेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बैठक समाप्त होने के बाद माना कि कोऑर्डिनेशन सीट बंटवारे में जो होनी चाहिए वह नहीं हुई। कोऑर्डिनेशन में देरी का कारण कांग्रेस को इतनी बड़ी हार की तरफ ले गया।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने साफ-साफ शब्दों में यह कह दिया गठबंधन सिर्फ चुनाव के लिए था। अब गठबंधन 5 साल बाद का विषय है। अभी इस विषय पर जो स्पष्ट बात है कि जो महागठबंधन में कांग्रेस राजद और अन्य घटक दलों के बीच था वह सिर्फ चुनाव के लिए था। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा अगर हमें हार का सामना करना पड़ा है तो राजद भी जीत नहीं पाई है। हम अगर 6 विधायक जीत सके हैं तो राजद भी 25 विधायक ही 147 सीट में जीतकर आई है। गठबंधन में हार सामूहिक होती है, एक के ऊपर आरोप लगाना सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम हमारे नेता और कार्यकर्ता खुल कर अपनी बात तो हमारे सामने रखते हैं। कई पार्टी में तो ऐसा देखने को भी नहीं मिलता। इसके पहले बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा था, 'सभी जिला अध्यक्षों के साथ आज बैठक है, जिसमें चुनावी मुद्दों पर बात होगी। चुनावी मुद्दा में संगठन में कहां भूल चूक रही है, उस पर फीडबैक लेंगे। इसके बाद चुनाव में जो पार्टी के अंदर कुछ यदि गतिरोध रहा है या पार्टी के लोगों का कैसा सहयोग रहा है, उस पर भी बात होगी। और उस पर फिर जो फैसला आएगा, उस पर फिर करवाई होगी। उन्होंने आगे कहा कि, '14 तारीख को एसआईआर को लेकर बात होगी। तीन चार एजेंडे है। हमारे पहला तो हम पराजय हुए हैं तो किन कारणों से? संगठन के अंदर हमारी चुनाव में कैसा सहयोग रहा? तीसरा है कि जो एसआईआर पर 14 तारीख को दिल्ली में रैली होने वाली है, उस पर हम तैयारी कैसे करें? चौथा फीडबैक लेंगे कि हम प्रखंड स्तर पर, पंचायत स्तर पर और जिला स्तर पर संगठन को और कैसे मजबूत करें। कांग्रेस विधायक दल के नेता पर आज चर्चा होगी।'बैठक से निकलने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान ने कहा, '10-10 के ग्रुप में सभी जिला अध्यक्ष अंदर जाकर अपनी बात रख रहे हैं। डिटेलिंग में बात करनी थी, इसीलिए ग्रुपिंग में सभी को बुलाया जा रहा है। यही फॉर्मेट दिल्ली में भी हुआ था। आने वाले रोड मैप पर ज्यादा चर्चा हो रही है। सरकार ने घूंस तंत्र की बुनियाद पर वोट लिया है।'

बाहुबली की पत्नी विभा देवी को शपथ पढ़ने में हुई असुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।18वीं विधानसभा के पहले सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी और नवादा से जदयू विधायक विभा देवी शपथ पत्र नहीं पढ़ पाईं। अटक-अटक के किसी तरह से शपथ पढ़ रही थीं। इस बीच उन्होंने पास बैठी विधायक मनोरमा देवी से बताने को कहा। फिर मनोरमा देवी के प्रॉम्प्ट करने के बाद उन्होंने टूट-फूटे शब्दों में शपथ ली। वहीं बाहुबली अशोक महतो की पत्नी और वारिसलीगंज विधायक अनीता देवी ने बहुजन के नेताओं कोट करते हुए शपथ लेना शुरू किया। उन्होंने कहा, कि बहुजन समाज की बेटी अनीता, रुहानी आशीर्वाद लेते हुए बाबा साहब को याद करते हुए शपथ लेती हूं। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका। उन्होंने दोबारा अपना नाम लेते हुए शपथ पढ़ी। बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाई। नवादा से जदयू विधायक और बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी शपथ नहीं पढ़ पाईं। इस बार वे नवादा से चुनाव जीती हैं। चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू जॉइन की। इससे पहले वे राजद विधायक थीं। नवादा से जदयू विधायक और बाहुबली राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी शपथ नहीं पढ़ पाईं। इस बार वे नवादा से चुनाव जीती हैं। चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू जॉइन की। इससे पहले वे राजद विधायक थीं।इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले मंत्रियों को शपथ दिलाई गई। सम्राट चौधरी की शपथ के बाद तेजस्वी ने अपनी सीट पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया। तेजस्वी ने सम्राट चौधरी से हाथ मिलाया।शपथ लेने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने सीएम नीतीश के पैर छुए। वहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी से गले मिले। सीएम और तेजस्वी के बीच इशारों में बात हुई। शपथ के बाद रामकृपाल यादव तेजस्वी यादव के गले मिले। मोकामा से निर्वाचित जदयू विधायक अनंत सिंह आज की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। चुनाव के दौरान हुई राजद नेता दुलारचंद की हत्या के आरोप में वे जेल में हैं। सदन की कार्यवाही कल मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। आज जो 6 विधायक सदन नहीं पहुंचे, उन्हें कल शपथ दिलाई जाएगी। मंत्रियों के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शपथ ली। अरुण शंकर प्रसाद, गौराबोराम से सुजीत, विनोद नारायण झा,सुधांशु, मीना कुमारी, आसिफ अहमद, माधव आनंद और नीतीश मिश्रा, मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली।आबिदुर्रहमान, कमरूल होदा, कोचाधामन से सरबर आलम, अमौर से अख्तरुल ईमान और जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। सीमांचल के विधायकों ने अंत में जय बिहार-जय सीमांचल कहा। दरौली से लोजपा (रा) विधायक विष्णुदत्त पासवान और बिक्रम से सिद्धार्थ सौरभ, शाहपुर से रमेश रंजन, शिवहर विधायक चेतन आनंद और डुमराव से राहुल कुमार सिंह ने इंग्लिश में शपथ ली। पूर्व डिप्टी सीएम और कटिहार से विधायक तारकिशोर प्रसाद, सोनबरसा से विधायक रत्नेश सदा,संजय सिंह,पीरपैंती से मुरारी पासवान, रोसड़ा से वीरेंद्र कुमार और बैकुंठपुर से विधायक मिथिलेश तिवारी ने संस्कृत में शपथ ली।

चैम्बर का प्रतिनिधिमंडल पथ निर्माण तथा नगर विकास एवं आवास मंत्री से मिला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।आज बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल माननीय पथ निर्माण तथा नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन से उनके आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात कर राज्य के उद्यमियों एवं व्यापारियों की ओर से अभिनन्दन करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। चैम्बर अध्यक्ष पी० के० अग्रवाल ने बताया कि माननीय मंत्री से पटना के शहरीकरण, फुटपाथी विक्रेताओं के लिए अधिकाधिक वेंडिंग जोन का निर्माण कराने, पटना के विभिन्न भागों में इन्फ्रास्ट्रकचर की समुचित व्यवस्था कराने हेतु योजना बनाने एवं मैरीन ड्राइव के समांतर एक पुल बनाने पर विस्तृत वार्ता हुई। अग्रवाल ने बताया कि उनका पूर्ण विश्वास है केन्द्र सरकार के सहयोग से नई सरकार बिहार के आर्थिक प्रगति के नये आयामों तक पहुँचाने में अवश्य सफल होगी। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष विशाल टेकरीवाल, महामंत्री मुकेश कुमार जैन पूर्व अध्यक्ष सुभाष पटवारी, पूर्व उपाध्यक्ष आशीष शंकर, पूर्व महामंत्री पशुपति नाथ पाण्डेय तथा ए० के० पी० सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्य श्रवण गोयनका, पवन भगत एवं अजय गुप्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट के चार आरोपी सहित 11 गिरफ्तार

मसौढ़ी। लहसुना पुलिस ने हत्या का प्रयास मामले में एक आरोपित को थाना के निशियावां पंचायत स्थित बिलंदचक गांव से गिरफ्तार कर लिया। वही मध निषेध मामले में फरार तीन अन्य आरोपित थाना के कराय गांव से गिरफ्तार हुए। पुलिस ने सभी को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया। पुलिस ने बताया कि बीते अक्टूबर माह के चौदह तारीख को थाना के उसमानचक में आपसी विवाद मे जमकर मारपीट हुयी थी। जिसमें कुल बारह लोगों के बिरूध मामला दर्ज किया गया था। इसमें बिलंदचक गांव के कर्मवीर प्रसाद भी आरोपित थे और वे उस समय से फरार था। पुलिस ने बताया कि मध निषेध के एक मामले में फरार थाना के कराय निवासी क्रमशः राहुल कुमार व सुनील पासवान एवं नगीना पासवान को गिरफ्तार किया गया है। बाद मे सभी को न्यायिक हिरासत में पुलिस ने जेल भेज दिया। वही धनरूआ पुलिस ने बताया कि हत्या व आर्म्स एक्ट के मामले में चकजोहरा व नसरतपुर से क्रमशः सोनु कुमार व धर्मेंद्र बिंद एवं गोपाल पासवान को गिरफ्तार कर को जेल भेजा गया है। अन्य मामले में आरोपी चकजोहरा के कैलेंद्र यादव, लछूबिगहा के शंभु प्रसाद,छोटकी धमाल के राम प्रवेश यादव एवं रसूलपुर के कांति यादव को गिरफ्तार किया है।

सर्वाइकल कैंसर बचाव हेतु निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन कैंप का सफल आयोजन

पटना। मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी ने अपनी सामाजिक जिþम्मेदारी का उत्कृष्ट निर्वाह करते हुए आज निःशुल्क एचपीवी सर्वाइकल कैंसर बचाव हेतु वैक्सीन कैंप का सफल आयोजन मारवाड़ी हेल्थ सोसायटी परिसर राजेन्द्रनगर में किया। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष राधेश्याम बंसल ने बताया कि इसका उद्देश्य बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान कराना है तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष हनुमान गोयल ने बताया कि इस कैम्प में पहली खुराक ले चुकी 100 बच्चियों को दूसरी खुराक दी गई। इसके साथ ही अभियान को आगे बढ़ाते हुए 9 से 14 वर्ष की लगभग 40 नई बच्चियों को पहली खुराक भी प्रदान की गई। सभी लाभार्थी बच्चियों को नाश्ता का तथा उपस्थित परिजनों के लिए चाय-बिस्कुट की व्यवस्था की गई। मौके पर सचिव दिनेश अग्रवाल ने कहा कि ह्रसर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि समाज की हर बच्ची स्वस्थ भविष्य की ओर बढ़े। अग्रवाल ने बताया कि यह कैंप बेंगलुरु साड़ी हाउस के चांडक परिवार के सहयोग से आयोजित किया गया। सोसाइटी द्वारा आयोजित यह कैम्प डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. उषा अग्रवाल, डॉ. चारू मोदी एवं डॉ. निमिषा अग्रवाल की देख-रेख में अत्यंत सुव्यवस्थित और सुरक्षित रूप से सम्पन्न हुआ। इस कैम्प को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष रमेश गुप्ता, प्रशांत बंका, शम्भू अग्रवाल, बिनोद अग्रवाल, अनिल रिटोलिया सहित अन्य सदस्य लगे हुए थे।

दानापुर मंडल के सेवानिवृत्त 15 रेलकर्मियों का किया गया समापक भुगतान

पटना। 01.12.2025 को नवम्बर माह-25 में सेवानिवृत्त हुए 15 रेलकर्मियों को दानापुर मंडल कार्यालय के सभागार में "समापक भुगतान एवं विदाई" दी गई। इसमें रेल सेवा से सेवानिवृत्त उपस्थित कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर विनोद कुमार द्वारा अंगवस्त्र एवं समापक भुगतान दस्तावेजों को देकर सम्मानित करते हुए भावभीनी विदाई दी गई । कार्यक्रम की शुरुआत वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अतुल कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने आज के समापक भुगतान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। मंडल रेल प्रबंधक, दानापुर ने अपने संबोधन में उपस्थित सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मचारियों के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा कि अपने "समापक भुगतान" की राशि को असुरक्षित जगहों पर निवेश ना करें। सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों को एक्युप्रेशर, होमियोपैथ एवं आयुर्वेदिक डॉक्टरों द्वारा स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन जीने के तरीके को विस्तारपुर्वक बताया गया। इस मौके पर मंडल के सभी विभागों के अधिकारी एवं ई.सी.आर.ई.यू, ओ.बी.सी एवं एस.सी. एस.टी.एसोसिएशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

एमएसएमई-डीएफओ, पटना द्वारा उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पटना। एमएसएमई-डीएफओ, पटना द्वारा परेब, पटना में एक दिवसीय उद्यमता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें क्लस्टर में स्थित एमएसएमई इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परेब, पटना अपने हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है, विशेष रूप से चांदी और पीतल के बर्तन बनाने के लिए। इस कार्यक्रम में उन्हें अपने उत्पादन में आने वाली लागत को कम करने और बाजार में प्रतिस्पर्धी रहने के लिए आवश्यक तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, उनकी समस्याओं को भी नोट किया गया ताकि उन्हें मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। कार्यक्रम में सहायक निदेशक घमंडी लाल मीणा, संजीव आजाद, सुनील कुमार अग्निहोत्री और जीएम डीआईसी पटना से अमनदीप उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों को क्लस्टर विकास के महत्व और इसके लाभों के बारे में जागरूक करना था। एमएसएमई-डीएफओ पटना उद्यमियों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।इस आशय की जानकारी कार्यक्रम संयोजक, घमंडी लाल मीणा ने दिया।

इन्दिरा आईवीएफ ने हाजीपुर में नया फर्टिलिटी क्लिनिक शुरू किया

हाजीपुर। इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड ने हाजीपुर में अपने नए फर्टिलिटी क्लिनिक की शुरुआत की है। सेंटर मंजू कॉम्प्लेक्स, नवीन सिनेमा रोड के पास खोला गया है, जिससे अब स्थानीय दंपतियों को परामर्श, जांच और उपचार की सुविधाएं घर के नज़दीक ही मिल सकेंगी। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हाजीपुर विधायक अवधेश सिंह, रोसरा विधायक बिरेंद्र कुमार और वैंटेज हुंडई हाजीपुर के एमडी अभिजीत कुमार उपस्थित रहे। इन्दिरा आईवीएफ बिहार हेड डॉ. दयानिधि कुमार और हाजीपुर सेंटर हेड डॉ. अनामिका भी मौजूद रहे। विधायक अवधेश सिंह ने कहा कि नया फर्टिलिटी सेंटर क्षेत्र के दंपतियों को बड़ी राहत देगा, वहीं विधायक बिरेंद्र कुमार ने इसे समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। इन्दिरा आईवीएफ के एमडी नितिज मुर्डिया ने कहा कि हाजीपुर सेंटर से बिहार में फर्टिलिटी केयर अधिक सुलभ और प्रभावी होगी। 31 मार्च 2025 तक देशभर में 169 क्लिनिक संचालित कर रही इन्दिरा आईवीएफ का यह नया केंद्र जागरूकता बढ़ाने और समय पर इलाज उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

41वीं वर्ष बिहार कलाश्री सम्मान समारोह संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार कलाश्री पुरस्कार परिषद एवं बिहार कला व सांस्कृतिक विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय राजमहल रिजॉर्ट सभागार,भागवत नगर में 41वी वर्ष बिहार कलाश्री/पत्रकार श्री/रत्न अवार्ड गव्य विशेषज्ञ स्वर्गीय यमुना चौधरी की पुण्यतिथि पर दिया गया। समारोह का उद्घाटन अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर अजय यादव ने किया।मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त वरिष्ठ अधिकारी कृष्ण मोहन दास विशिष्ट अतिथि आशा चौधरी मैथिली नाटक अभिनेत्री इस अवसर पर उपस्थित होकर समारोह को संबोधित किया। अध्यक्षता संस्था केअध्यक्ष एव कला प्रेमी विश्वमोहन चौधरी संत ने किया। अतिथियों के हाथों बिहार कलाश्री मिथिला चित्रकला में प्रतीक प्रभाकर कथक नृत्य में सन्कृति कश्यप गायन विद्या में स्वस्तिका कश्यप शास्त्रीय गायन में सिमी माला चित्रकला में शिल्पा कुमारी लोकगीत गायन में सुरेंद्र प्रसाद यादव वादन विधा में सुरेंद्र प्रसाद एवं धीरेंद्र पांडे और बिहार पत्रकारश्री अवार्ड योगेश कुमार शुक्ला योगी, डॉक्टर सत्यार्थ गांधी,के.के.सहगल और सुनील कुमार को दिया गया। बिहार चिकित्सा रत्न डॉक्टर संजीव कुमार सुमन, मैथिली नाटक अभिनय में आशा चौधरी कथक नृत्य में दिव्या दास योग और एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट डॉक्टर मोनालिसा मिथिला लोक चित्रकला में अर्चना कुमारी को सम्मान स्वरूप ट्रॉफी,शॉल एवं सम्मानपत्र दिया गया। कार्यक्रम संयोजक आलोक चोपड़ा के नेतृत्व में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमें मनीता पाठक,अरुण कुमार गौतम, संस्कृति, स्वस्तिका, सिम्मी माला, संगीता सुप्रिया, एकता झा, कवि पृथ्वीराज जी देर शाम तक मनोरंजन किया। समारोह के अंत में रवि रंजन जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जर्सी गाय का दूध स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी - भाजपा नेत्री शोभा पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। वैज्ञानिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए अनुसंधान में यह साबित हो गया है कि विदेशी नस्लों की गायों में दूध में कुछ ऐसे पदार्थ हैं जो दिल के दर्द के साथ में कई बीमारियों की उत्पन्न कर सकता है। इससे बावजूद भारत में बिना किसी प्रमाणित के बेची जा रही है। पशु वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय गाय को अफ्रीका में ले जाकर ज्यादा दूध देने वाली गाय बना दी जाती है। उसी प्रकार भारतीय गांव को ही ज्यादा दूध देने वाली बनाने की आवश्यकता है। यह काफी गंभीर विषय है तथा अनुसंधान की आवश्यकता है। विदेशी गाय का बछड़ा बेकाम का होता है। न उससे से हल जोत सकते हैं नई गाड़ी आदि चला सकते हैं । आपको जानकर होकर हैरानी होगी दुनिया में भारत को छोड़कर किसी भी देश में जर्सी गाय का दूध कोई नहीं इस्तेमाल करता है। सबसे ज्यादा डेनमार्क न्यूजीलैंड में पाई जाती है और आपको यह जानकारी होगी कि डेनमार्क वाले दूध ही नहीं पीते क्यों नहीं पीते क्योंकि कैंसर होने की संभावना है।घुटनों का दर्द होना तो आम बात है। मधुमेह सहित 48 तरह की रोग होने का बहुत बड़ा कारण है। जर्सी गाय का दूध डेनमार्क वाले चाय भी बिना दूध के पीते हैं । डेनमार्क की सरकार को दूध ज्यादा होने पर समुद्र फेक देती है उदाहरण के लिए अपने बच्चों से कोई लगाव नहीं होता और जर्सी गाय अपने बच्चों को कभी पहचानती भी नहीं है। कई बार ऐसा होता है की जर्सी का बच्चा किसी दूसरे गाय के साथ चल जाए उसकी कोई तकलीफ नहीं ,लेकिन जो भारत की देसी गाय है वह अपने बच्चों से इतना प्रेम करती है इतना लगाव करती है कि अगर उसके बच्चे को किसी ने बुरी नजर से देखा तो उस मार डालने के लिए तैयार हो जाती है। देसी गाय कि बच्चे सबसे बड़ी विशेषता है कि लाखों गाय के बीच अपने बच्चों को पहचान लेती है और लाखों की भीड़ में वह अपनी मां को पहचान लेता है। जर्सी गाय कभी भी पैदल नहीं चल पाती, चलाने की कोशिश करो तो बैठ जाती है। लेकिन भारतीय गाय को यह विशेषता है उसे कितने भी चढ़ाव हो चढ़ती चली जाती है। यूरोप और अमेरिका के विशेषज्ञ वैज्ञानिक मानते हैं कि मानव के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। विदेशी क्रास ब्रीड नसलो से निजात पाना बड़ी समस्या है और इसके लिए मैं दशको तक अच्छे साढ़ो के जरिए नसल सुधारने शुधारी करण अभियान चलाना होगा।

बिहार में जमीन खरीदना होगा महंगा, नया सर्किल रेट लागू होते ही जमीन की कीमतों में आएगी उछाल

नई सोच एक्सप्रेस

» रजिस्ट्री तीन गुना तक बढ़ने की तैयारी

पटना। बिहार में भूमि बाज़ार की तासीर एक बार फिर बदलने वाली है, क्योंकि राज्य सरकार नये सर्किल रेट (एमवीआर) को जनवरी से लागू करने की अंतिम तैयारी में जुट चुकी है। जमीन रजिस्ट्री से जुड़ी यह कवायद न सिर्फ़ प्रशासनिक है, बल्कि आम लोगों की जेब और रियल एस्टेट की सियासत—दोनों पर गहरा असर डालने वाली है। पटना जिले में नगर निगम के सभी 75 वार्डों में जमीन और फ्लैट की कीमतों का पुनर्मूल्यांकन तेज़ी से किया जा रहा है। जिले के नप क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में भी मूल्यांकन प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। आधिकारिक सूत्र बताते हैं कि यदि संशोधित एमवीआर लागू होता है तो जमीन की रजिस्ट्री तीन गुना तक महंगी हो सकती है। अनुमान है कि दो सौ से तीन सौ सर्किल रेट तक बढ़ोतरी संभावित है। जिला निबंधन कार्यालय इलाके-वार रिपोर्ट तैयार कर रहा है, ताकि हर क्षेत्र की जमीन का मूल्य वर्तमान बाजार दर के अनुरूप तय किया जा सके। अधिकारियों के मुताबिक वर्ष 2013 से सर्किल रेट में कोई वृद्धि नहीं हुई, जबकि इस बीच कई लोकेशन की कीमतें आसमान छू चुकी हैं। ऐसे में सरकार का जोर उन इलाकों पर है जहां खरीद-बिक्री ज्यादा है, ताकि राजस्व में बढ़ोतरी की जा सके। नगर निगम के क्षेत्रों में इस बढ़ोतरी का सर्वाधिक प्रभाव पड़ने वाला है। बताया जा रहा है कि वार्डों की सड़कों की लिस्टिंग, सड़क चौड़ाई, लोकेशन, अवसंरचना की उपलब्धता और विकास स्तर के आधार पर दरें तय की जा रही हैं। पुनरीक्षण के बाद कई पुराने मौजों की संख्या भी बढ़ जाएगी, जिससे जमीन की कैटेगरीकरण और अधिक स्पष्ट हो सकेगा। चार अहम मानकों पर नया एमवीआर तैयार किया गया है, जिनमें बाजार दर को आधार बनाकर नए सर्किल रेट का प्रस्ताव है तो ऐसे वार्ड जहाँ एमवीआर और मौजूदा बाजार दर में भारी अंतर, भूमि का वर्गीकरण 2017 के मानकों पर, औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अलग श्रेणी बन रही विभाग हर दिन वार्ड के अनुसार रिपोर्ट तैयार कर भेज रहा है। सूत्र बताते हैं कि जनवरी या फरवरी तक इसे लागू कर दिया जाएगा। एक बार नया एमवीआर लागू होते ही जमीन की रजिस्ट्री न केवल महंगी होगी बल्कि निवेश, खरीद-बिक्री, बिल्डर प्रोजेक्ट और हाउसिंग मार्केट में भी काफी हलचल देखने को मिलेगी।

फर्जी कागज़ पर लगी नौकरी अब नहीं चलेगी—शिक्षा विभाग का बड़ा शिकंजा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। शिक्षा विभाग, बिहार ने फर्जी दस्तावेज़ों पर नौकरी पाने वाले शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग ने सभी जिलों को सख्त निर्देश दिया है कि टीआरई 1, 2 और 3 के तहत बीपीएससी से नियुक्त शिक्षकों के सभी शैक्षणिक व प्रशिक्षण संबंधी प्रमाणपत्रों की विस्तृत जांच एक महीने के भीतर पूरी करें। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सज्जन आर ने डीइओ को भेजे पत्र में स्पष्ट कहा है कि यदि किसी भी शिक्षक के दस्तावेज़ संदिग्ध पाए जाते हैं तो सेवा तत्काल समाप्त की जाएगी। विभाग ने याद दिलाया है कि नियमावली के मुताबिक नियुक्ति के बाद भी पात्रता-प्रमाणपत्रों की जांच कराई जा सकती है और ज़रूरत पड़ने पर कार्रवाई अनिवार्य है। आदेश में यह भी उल्लेख है कि नियुक्ति प्राधिकार को नियुक्ति पत्र जारी करने से पहले सभी योग्यता प्रमाणपत्रों का सत्यापन करना चाहिए था। अब विभाग यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि स्कूलों में फर्जी कागज़ों से प्रवेश पाने वाला कोई भी व्यक्ति नौकरी में न बच पाए।

एड्स रोकथाम में युवाओं की भूमिका अहम : प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। विश्व एड्स दिवस पर प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से "एड्स की रोकथाम में युवाओं की भूमिका" विषय पर सेमिनार का आयोजन सीएम सभागार, पटना में किया गया। कार्यक्रम में यौन रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. एस. झा ने बताया कि राज्य में एचआईवी/एड्स तेजी से फैल रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने वजन कम होना, लगातार बुखार, थकान, दस्त और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी को इसके प्रमुख लक्षण बताया। डॉ. झा ने कहा कि असुरक्षित यौन संबंध, दूषित रक्त, संक्रमित सूई और संक्रमित गर्भवती महिला से बच्चे को एचआईवी फैलता है। उन्होंने जागरूकता, सुरक्षा, जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और कंडोम के उपयोग को प्रमुख बचाव उपाय बताया। फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम कुमार ने कहा कि एड्स रोकथाम में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक, प्रवासी श्रमिक और सेक्स वर्कर संक्रमण के संवाहक बनते हैं। फाउंडेशन गांव-गांव निगरानी समूह बनाकर बाहर से आने वाले लोगों की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रहा है और संदिग्ध मामलों को जांच के लिए प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के लिए आई महिलाओं में एचआईवी संक्रमण का मिलना चिंताजनक है और राज्य एड्स नियंत्रण समिति को एनजीओ के साथ मिलकर अभियान तेज करने की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एचआईवी छूने, साथ बैठने या बात करने से नहीं फैलता। कार्यक्रम में रघुवीर कुमार, संजना कुमारी, प्रियंका शील, योगेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

BIPARD और IRFC मिलकर देंगे युवाओं को रोजगार-उन्मुख कौशल प्रशिक्षण, IRFC ने दिए 10 करोड़ रुपये

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (BIPARD) और भारतीय रेल वित्त निगम (IRFC) के बीच शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ, जिसके तहत IRFC अपने CSR फंड से 10 करोड़ रुपये प्रदान करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य बिहार के वंचित वर्ग के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। करार के अनुसार युवाओं को SAP ERP, CCNA नेटवर्किंग, विदेशी भाषा तथा संचार कौशल जैसे वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त कोर्सों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे देश और विदेश—दोनों जगह रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। BIPARD स्किल पार्क द्वारा 14 अप्रैल 2025 से शुरू किए गए छह उद्योग आधारित कोर्सों—SAP सर्टिफिकेशन, CCNA, जेरियाट्रिक केयरगिवर, फैशन डिजाइन, कमीस (शेफ) और बेकिंग टेक्नीशियन—में अब तक 585 युवाओं ने प्रवेश लिया, जिनमें से 515 प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं और 98 युवाओं को नौकरी भी मिल चुकी है। आधुनिक प्रयोगशालाओं, टेक-इनेबल्ड क्लासरूम, लाइसेंस्ड SAP सर्वर और विदेशी भाषा प्रशिक्षण जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस BIPARD स्किल पार्क सभी प्रशिक्षुओं को आवास, भोजन, यूनिफॉर्म और प्रशिक्षण सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराता है। BIPARD के महानिदेशक डॉ. बी. राजेन्दर ने IRFC के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि इससे प्रशिक्षण और प्लेसमेंट क्षमता और मजबूत होगी। IRFC अधिकारियों ने इसे बिहार के लिए भविष्य-उन्मुख कार्यबल तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम बताया।

वाटर स्पार्टस को बढ़ावा देगी सरकार : श्रेयसी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार खेल के क्षेत्र में काम कर रही है। आगे भी खिला्रिड़यों के सम्मान के लिए काम करती रहेगी। मंत्री श्रेयसी सिंह नांदेर महाराष्ट्र में 12वीं राष्ट्रीय सीनियर ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद 10 मेडल अपने नाम करने के बाद खिलाड़ियों को सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में वाटर स्पोर्टस को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है। जल्द ही इसका फायदा बिहार के खिलाड़ियों को मिलेगा। मंत्री ने कहा कि एक समय था जब बिहार के खिलाड़ी सम्मान जीत कर आते थे तो उन्हें प्रोत्साहन नहीं मिलता था अब जब वो 2018 में सम्मान जीतकर आयी तो बिहार सरकार के साथ-साथ खेलप्रेमियों ने उनको सर आंखों पर उठाकर सम्मान दिया। इस मौके पर विधान विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा कि बिहार के खिलाडियों ने बिहार का नाम उपर किया है और खासकर बिहार की बेटियां श्रेयसी सिंह से प्रेरना लेकर आगे बढ़ रही है। इस मौके बिहार ड्रेगन बोट्स एसोशिएशन कि अध्यक्ष विधान पार्षद संजय मयख ने खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बिहार सरकार के खेल विभाग के कार्यकलापों की चर्चा की। इस मौके पर विधान पार्षद अनिल कुमार व विधायक छोटी कुमारी ने भी मेडल जीते खिलाड़ियों का सम्मान अंग वस्त्र देकर किया। इस मौके पर बिहार रब्गी के सिचव पंकज ज्योति ने बताया कि 12वीं राष्ट्रीय सीनियर ड्रैगन बोट चैंपियनशिप, जो 23 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक नांदेड़ में आयोजित हुई, उसमें बिहार ने इतिहास रचते हुए शानदार प्रदर्शन किया और कुल 10 मेडल अपने नाम किए। प्रतियोगिता में बिहार ने 7 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 कांस्य पदक जीतकर देशभर में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज की।बिहार टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे खिलाड़ियों का समर्पण, अनुशासन और कठिन अभ्यास रहा।सबसे पहले जून माह की 7 तारीख को ट्रायल आयोजित किया गया, जिसमें बिहार के विभिन्न जिलों से कई खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया और उन्हें 15 दिनों के नेशनल कैंप में शामिल किया गया, जो मोतिहारी जिले की मोती झील में आयोजित हुआ।इस ट्रेनिंग कैंप में उच्चस्तरीय फिटनेस, स्ट्रेंथ और तकनीक पर विशेष ध्यान दिया गया। इसी कड़ी मेहनत ने नांदेड़ में बिहार को ऐतिहासिक जीत दिलाई। बिहार के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा ड्रैगन बोट प्रदर्शन माना जा रहा है।इस प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर 2026 में होने वाले बीच गेम चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का चयन होगा। बिहार के प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए राष्ट्रीय टीम में बिहार के खिलाड़ियों की मजबूत दावेदारी बन चुकी है।

डॉ संजीव चौरसिया, विधायक का दधीचि देहदान समिति द्वारा सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। दधीचि देहदान समिति बिहार के उपाध्यक्ष डॉ संजीव चौरसिया जी को तीसरी बार दीघा से विधायक चुने जाने पर दधीचि देहदान समिति के महामंत्री पद्मश्री विमल जैन, अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद एवं समिति के सदस्यों ने अंग वस्त्र एवं फूल माला से अभिनंदन किया। पद्मश्री विमल जैन ने कहा कि देहदान और दिव्यांगता मुक्ति विषय को विशेष प्राथमिकता देकर सदन में उठाएं तथा जागरूकता हेतु पार्कों में समय देने का अनुरोध किया। विकसित बिहार की कल्पना को साकार करने में नेत्र बैंक, कॉर्निया संग्रह केंद्र की उपलब्धता यथाशीघ्र पूरी हो इस दिशा में स्वास्थ्य मंत्री पर विशेष दबाव बनाने हेतु अनुरोध किया गया ताकि पश्चिम के राज्यों की श्रेणी में बिहार भी आ सके। इस अवसर पर उपाध्यक्ष डॉ सुभाष प्रसाद,अरुण सत्यमूर्ति, विनीत मिश्रा,संजीव यादव, गोविंद कनोडिया,मनोज की,डॉ रहमान,आनंद प्रधान,नंदकिशोर अग्रवाल,शैलेश महाजन,प्रीति बरियार,भोला की जी ने भी अपनी शुभकामनाएं दी।

संक्षिप्त समाचार

'द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्स' ने सारण में 11 सदस्यीय प्रमंडलीय समिति का किया गठन

छपरा। बिहार में 'द बिहार टीचर्स हिस्ट्री मेकर्स' मंच एक ऐसा शैक्षणिक मंच है जो लगातार शिक्षकों द्वारा किए गए नवाचार को एक मंच प्रदान कर रहे हैं। सुदूर ग्रामीण क्षेत्र अवस्थित विद्यालय को इस मंच से जोड़ने के उद्देश्य से प्रखंड से लेकर प्रमंडल स्तरीय टीम का गठन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंच के संस्थापक डॉ० कुमार गौरव ने सारण में प्रमंडल स्तरीय 11 सदस्यों वाली समिति का गठन किया है। जिसमें शोभा कुमारी को अध्यक्ष, कुमारी अर्चना और कन्हैया लाल गुप्त को उपाध्यक्ष, बिंदी कुमारी को सचिव, तिलोत्तमा पांडेय, मुस्कान कुमारी, सादिया फिरदौस, प्रतिभा कुमारी को उपसचिव, रविरंजन कुमार को कोषाध्यक्ष, शालिनी कुमारी तथा शशिभूषण सिंह को मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। मनोनयन के बाद सभी सदस्यों को प्रमंडलीय अध्यक्षा शोभा कुमारी ने सभी नवचयनित पदधारक को पद और गोपनीयता का शपथ दिलाई। मीडिया प्रभारी शालिनी कुमारी ने जानकारी देते हुए कहा कि मंच का मुख्य उद्देश्य शिक्षक द्वारा किए गए नवाचार और गतिविधि को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना है। इससे लाखों शिक्षक एवं छात्र लाभान्वित होंगे। इस मंच तक अबतक तक लगभग 60,000 से अधिक शिक्षक जुड़ चुके हैं। बिहार के सभी शिक्षकों को इस मंच से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के सफल संचालन हेतु प्रथम स्थान प्राप्त हुआ

जहानाबाद ! बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के कार्य उपलब्धियों के आधार पर जिला को राज्य में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम के कार्य में लगे सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों पुलिस अधीक्षक, नोडल पदाधिकारी, आर.टी.पी.एस. जिला कल्याण पदाधिकारी, आईटी मैनेजर, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, सब रजिस्ट्रार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, राजस्व पदाधिकारी, सभी आईटी सहायक, सभी कार्यपालक सहायक सहित अन्य पदाधिकारी को जहानाबाद जिले को प्रथम स्थान प्राप्त होने पर धन्यवाद दिया तथा आगे भी रैंकिंग में सुधार करते हुए प्रथम स्थान पर जिला का स्थान बना रहे। इसके लिये सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से अपील किया गया है। बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत आमजनो को विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र एवं सुविधाएं प्रदान की जाती है। नोडल पदाधिकारी, आर.टी.पी.एस. सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि जिला, अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर आर.टी.पी.एस.संचालित है। जिसके माध्यम से आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र के साथ साथ राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु विभिन्न प्रकार के आवेदन भी शामिल हैं। जिलाधिकारी के नेतृत्व में के साथ साथ आईटी मैनेजर के सहयोग से यह उपलब्धि जिला को प्राप्त हुआ है एवं निरंतर बेहतर सुविधा प्रदान करने हेतु प्रयासरत हैं। जहानाबाद जिला को सभी सेवाओं के लिए 99.81 अंक प्राप्त हुआ।

जहानाबाद ज़िला में सूखा नशा के बढ़ते फैलाव से बढ़ी चिंता, युवा पीढ़ी पर पड़ रहा बुरा असर

जहानाबाद ! शकूराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत शकूराबाद बाजार और आसपास के इलाकों में इन दिनों सूखा नशा के कथित प्रसार को लेकर लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाया गया तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकता है। खासकर युवा और किशोर वर्ग इसकी चपेट में आता नजर आ रहा है। जिससे क्षेत्र के युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ता नज़र आ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से इलाके में कई युवक नशे की हालत में इधर-उधर घूमते और असामान्य व्यवहार करते नजर आ रहे हैं। इससे न सिर्फ माहौल प्रभावित हो रहा है, बल्कि परिवारों की भी चिंताएं बढ़ रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का मानना है कि नशे की लत धीरे-धीरे युवाओं की सोच, स्वास्थ्य और व्यवहार को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। लोगों का आरोप है कि इस अवैध गतिविधि के पीछे कोई संगठित गिरोह भी सक्रिय हो सकता है जो युवाओं को बहला-फुसलाकर इस दलदल में धकेल रहा है। हालांकि, डर और दबाव के कारण कई लोग खुलकर सामने आने से कतरा रहे हैं। ऐसे में यह मामला और भी गंभीर होता जा रहा है। ग्रामीणों और समाज सेवियों ने इस विषय को लेकर पुलिस प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि अगर सख्त कदम नहीं उठाए गये तो आने वाले दिनों में स्थिति और बिगड़ सकती है और अपराध की अन्य घटनाएं भी बढ़ सकती हैं। हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो और कुछ अनौपचारिक सूचनाओं के आधार पर ही चर्चा हो रही है। संबंधित अधिकारियों से जब इस विषय में बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि मामला जांच के दायरे में है और तथ्यों की गहन पड़ताल के बाद ही कोई स्पष्ट जानकारी साझा की जायेगी। अभी तक किसी के खिलाफ कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई सार्वजनिक नहीं की गई है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ज़िला के अन्य क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाये। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाये और आवश्यकता पड़ने पर विशेष जांच अभियान चलाया जाये ताकि ज़िला को नशा मुक्त बनाया जा सके।

घर में आग लगने से पशु व बाइक जला

सुगौली। बगही पंचायत के चैनपुर गांव में आग लगने से एक घर जलकर राख हो गया। घर में बकरी, भैंस व मोटरसाइकिल की भी जल गया। इसकी जानकारी बगही पंचायत के मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सोनेलाल साहनी ने दी। उन्होंने बताया कि चैनपुर गांव निवासी विशदेव प्रसाद के घर में रविवार को रात्रि अचानक अलाव से आग लग गया। जिससे घर में नौ बकरी एक भैंस बुरी तरह से जल गया। वहीं एक बाइक भी जल गई। आसपास के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारण लाखों रुपया का छती हुई है। उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी अंचलाधिकारी को दे दी गई है। जानकारी मिलते ही अंचलाधिकारी कुंदन कुमार अग्नि पीड़ित को सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराया। सीईओ ने कहा कि अग्नि पीड़ित को जो भी सरकारी लाभ मिलना होगा उसे जल्द से जल्द उपलब्ध करा दी जाएगी।

सभापति अवधेश नारायण सिंह ने शीतकालीन सत्र से पूर्व सभी दल नेता की बैठक बुलाई

पटना। सभापति, बिहार विधान परिषद् अवधेश नारायण सिंह ने शीतकालीन सत्र से पूर्व सभी दल नेता की बैठक बुलाई। जिसमें सभी दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में शीतकालीन सत्र (211वें) के सुगम एवं सफल संचालन पर चर्चा की गई। सभापति ने सभी दलों के नेताओं से आगामी सत्र के कुशल, सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु सार्थक सहयोग देने की बात कही। बैठक में मंत्री, संसदीय कार्य विभाग विजय कुमार चौधरी, उप सभापति प्रो. राम वचन राय, बिहार विधान परिषद् के सदस्य संजय कुमार सिंह, रीना देवी, प्रो. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, संजीव कुमार सिंह, सर्वेश कुमार, समीर कुमार सिंह, महेश्वर सिंह, नवल किशोर यादव, संजय सिंह, शशि यादव एवं बिहार विधान परिषद् के सचिव अखिलेश कुमार झा उपस्थित थे।

नाम परिवर्तन

मैं, रेणुका देवी उर्फ प्रभावती देवी, पति - श्री चन्द्रिका सहनी, निवासी - मौजा बेल टोला, पोस्ट - माली, थाना - सुगौली, जिला - पूर्वी चम्पारण, बिहार, शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि रेणुका देवी एवं प्रभावती देवी, दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में भी मैं इन्हीं दोनों नामों रेणुका देवी एवं प्रभावती देवी से जानी जाऊँगी।

पाकुड़ में सीएचओ को उन्नत प्रशिक्षण, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण में आएगी तेजी

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़। जिले में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य समिति, पाकुड़ की ओर से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के लिए एक दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण आगामी छठे चरण के सक्रिय रोग खोज (Active Case Search) अभियान को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने हेतु सीएचओ कर्मियों की तकनीकी दक्षता को बढ़ाने पर केंद्रित रहा। वेक्टर जनित रोगों पर विशेष प्रशिक्षणः कालाज़ार से डेंगू तक सभी पहलुओं पर चर्चा प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने कालाज़ार रोगी खोज प्रक्रिया, डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण रणनीतियों, फाइलेरिया के निदान, रात्रिकालीन रक्त सर्वे, रक्त स्लाइड/स्मियर संग्रह, त्वरित परीक्षण (रैपिड टेस्ट), दवा वितरण प्रणाली तथा औषधि दुष्प्रभाव अनुश्रवण (ADR मॉनिटरिंग) पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सामुदायिक हस्तक्षेप और जमीनी स्तर पर किए जाने वाले व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियों की तकनीकें भी बताई गईं।

"सीएचओ हमारी अग्रिम पंक्ति की ताकत" - सिविल सर्जन

सिविल सर्जन सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित सीएचओ कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में सीएचओ सबसे मजबूत आधार हैं। उन्होंने कहा, "सीएचओ की तैयारी जितनी मजबूत होगी, जिले में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण के परिणाम उतने ही बेहतर आएंगे।" उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही जिले में सक्रिय रोग खोज अभियान शुरू किया जाएगा। साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सामूहिक औषधि सेवन अभियान तेज गति से चलाया जा रहा है, जिससे जिले की पूरी पात्र आबादी तक दवा पहुँचाई जा सके।

जनजागरूकता और रिपोर्टिंग पर दिया गया विशेष जोर प्रशिक्षण में सीएचओ कर्मियों को क्षेत्रीय भ्रमण, जन-जागरूकता गतिविधियों, सूचना-शिक्षा-संचार (IEC) एवं व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC) कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिवेदन एवं रिपोर्टिंग कार्य को सटीकता और समयबद्धता से पूरा करने पर जोर दिया गया, ताकि निर्धारित समय के भीतर रोग नियंत्रण के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। कई संस्थाओं और अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिविल सर्जन एस.के. मिश्रा, जिला वीबीडी पदाधिकारी अमित कुमार, स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय समन्वयक हासीब हक, जिला वीबीडी सलाहकार अंकित कुमार, राजू कुमार अग्रवाल, पीरामल संस्था से प्रभास रंजन सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

सभी की सहभागिता से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मारवाड़ी कॉलेज में 'विश्व एड्स दिवस' पर संगोष्ठी, युवाओं की भूमिका पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा। मारवाड़ी महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा विश्व एड्स दिवस पर "एड्स नियंत्रण में युवाओं का योगदान" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. लक्ष्मण प्रसाद जायसवाल ने कहा कि एचआईवी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को नष्ट कर देता है, जिससे संक्रमित व्यक्ति की मृत्यु तक हो सकती है। उन्होंने युवाओं को जागरूकता बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाने की अपील की। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय एनएसएस समन्वयक डॉ. आर. एन. चौरसिया ने एड्स के कारण, लक्षण और बचाव पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एड्स 2030 तक समाप्त करने के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने बताया कि दुनिया में अब तक 4.41 करोड़ मौतें एड्स से हो चुकी हैं। मुख्य वक्ता डीएमसीएच के रक्त अधिकोष प्रभारी डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त और सूई के उपयोग तथा गर्भवती माता से बच्चे को यह संक्रमण होता है। सूचना और शिक्षा के माध्यम से जागरूकता ही रोकथाम का सबसे बड़ा उपाय है। बर्सर डॉ. अवधेश प्रसाद यादव और कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सुनीता कुमारी ने युवाओं को जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. हेना गौहर ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रिया नंदन ने किया। बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

अमड़ापाड़ा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरः 184 ग्रामीणों को मिली जांच–इलाज की सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

अमड़ापाड़ा(पाकुड़ः)। चहवाड़ा (नॉर्थ कोल माइन् क्षेत्र)परियोजना प्रभावित ग्रामवासियों के स्वास्थ्य कल्याण को ध्यान में रखते हुए बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड ने 1 दिसंबर 2025 को पचहवाड़ा नॉर्थ कोल माइन् क्षेत्र में एक व्यापक निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। फसल कटाई के व्यस्त समय के बावजूद कुल 184 ग्रामीणों ने इस शिविर में भाग लिया, जो स्थानीय स्तर पर एक सफल और सराहनीय पहल मानी जा रही है। स्वास्थ्य जांच व इलाज की पूरी व्यवस्था गांव के पास ही मिली सुविधाएँ शिविर में तीन अनुभवी चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं का परीक्षण एवं उपचार किया। खास बात यह रही कि शिविर में ही रक्त परीक्षण, मूत्र परीक्षण और ईसीजी जैसी महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इस प्रकार ग्रामीणों के लिए दूर-दराज जाकर जांच कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी, जिसे लेकर स्थानीय लोगों ने विशेष संतोष व्यक्त किया। उपचार के साथ-साथ निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान की गईं, और प्रत्येक मरीज को बन-ब्रेड तथा दो केले देकर पोषण का भी ध्यान रखा गया।

स्वास्थ्य जागरूकता पर भी जोर

बीजीआर माइनिंग के महाप्रबंधक-CSR एवं PR संजय बेसरा ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य केवल रोगियों का उपचार करना नहीं है, बल्कि ग्रामीणों में निवारक स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ाना है। चिकित्सकों ने मौसमी बीमारियों, पोषण और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता को समझाया।

ग्रामीणों की प्रतिक्रिया राहत और आभार

स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि घर से दूर जाकर जांच कराना कठिन होता है; ऐसे में गाँव के पास ही सभी सुविधाएँ उपलब्ध होना उनके लिए बड़ी राहत है। विशेष रूप से कई बुजुर्ग मरीजों ने डॉक्टरों और CSR टीम द्वारा दिए गए व्यक्तिगत ध्यान की सराहना की।

भविष्य की योजनाएं और स्वास्थ्य शिविरों की तैयारी

कंपनी ने यह भी जानकारी दी कि आगामी महीनों में और भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने की योजना है, जिससे आसपास के गाँवों में स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और बढ़ाया जा सके। इस पहल ने बीजीआर माइनिंग की जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में भूमिका को और सुदृढ़ किया है तथा समुदाय के समग्र विकास की उसकी प्रतिबद्धता को उजागर किया है।

मधुबनी जिला स्थापना दिवस पर अयाची नगर युवा फाउंडेशन द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» मधुबनी जिला का इतिहास एवं वर्तमान परिस्थिति विषय पर छात्रों ने दिखाया उत्साह

मधुबनी/बिहार। मधुबनी जिला स्थापना दिवस के अवसर पर अयाची नगर युवा फाउंडेशन द्वारा मधुबनी जिला का इतिहास और इनके वर्तमान परिस्थिति विषय पर निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के रंजन राय ने किया। प्रतियोगिता में वर्ग 9वीं से 12वीं तक के दर्जनों छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने जिले के गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक धरोहर तथा वर्तमान परिस्थितियों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अयाची नगर युवा संगठन के संस्थापक विक्की मंडल ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपने जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और सामाजिक परिवेश को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी यदि इतिहास और वर्तमान चुनौतियों से अवगत होगी, तो वह भविष्य में समाज और जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगी। निबंध प्रतियोगिता में परी, मनीसा, स्वस्तिक, काजल, खुशबू, नीलम, लाला, कुणाल सहित कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ आगे भी जारी रहेंगी, जिससे बच्चों में रचनात्मकता, जागरूकता और सामाजिक जुड़ाव को प्रोत्साहन मिलता रहेगा। मधुबनी जिला अपनी अनोखी सांस्कृतिक पहचान, मिथिला चित्रकला, लोक परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व के कारण बिहार का प्रमुख जिला माना जाता है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने इस समृद्ध विरासत को शब्दों में व्यक्त करने का सराहनीय प्रयास किया।

मधुबनी का 53वां जिला स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव धूमधाम से शुरू

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रभात फेरी, माल्यार्पण, विकास मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव को बनाया आकर्षक

मधुबनी/बिहार। मधुबनी जिला के 53वें स्थापना दिवस सह मधुबनी महोत्सव की शुरुआत मंगलवार को उत्साह और उमंग के साथ हुई। प्रातःकालीन प्रभात फेरी और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ दो दिवसीय कार्यक्रमों का आगाज़ किया गया। उप विकास आयुक्त सुमन प्रसाद के नेतृत्व में वॉटसन स्कूल मैदान से निकली प्रभात फेरी थाना चौक, स्टेशन होते हुए नगर भवन में जाकर समाप्त हुई। "स्वच्छ मधुबनी, स्वस्थ मधुबनी, सुंदर मधुबनी" के नारे और ढोल-नगाड़ों की थाप से पूरा शहर सुबह-सुबह गुंजायमान हो उठा। बड़ी संख्या में बच्चे, अधिकारी और आमजन इस आयोजन में शामिल हुए। नागरिकों ने अपने घरों की छतों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रभात फेरी के उपरांत महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। बापू, कवि कोकिल विद्यापति तथा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर उप विकास आयुक्त, एसडीओ सदर, कोषागार पदाधिकारी, डीPRO सहित वरीय अधिकारियों और समाजसेवियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य समारोह का शुभारंभ आयुक्त दरभंगा प्रमंडल कौशल किशोर, पुलिस अधीक्षक योगेन्द्र कुमार तथा वरीय अधिकारियों ने वॉटसन स्कूल परिसर में केक काटकर, फीता काटकर एवं गुब्बारा गुच्छ उड़ाकर किया। मुख्य समारोह के लिए विशाल पंडाल का निर्माण किया गया था, जिसमें 21 विभागों द्वारा कुल 28 स्टॉल लगाए गए। विकास मेला में विभिन्न विभागों ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया। आईसीडीएस स्टॉल पर आयुक्त द्वारा बच्चों का अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम संपन्न कराया गया। वहीं आपदा प्रबंधन विभाग के स्टॉल पर एसडीआरएफ की टीम ने मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा से बचाव के उपायों की जानकारी दी तथा संबंधित पुस्तिकाओं, फोल्डरों और पम्पलेट्स का वितरण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों ने अपनी अद्भुत कला और प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया। इसके अलावा विभिन्न विभागों—स्वास्थ्य, परिवहन, सामाजिक सुरक्षा, विद्युत, सहकारिता, कृषि, उद्यान, पंचायत, स्वच्छ बिहार अभियान आदि—के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने। सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र द्वारा "स्वच्छ मधुबनी, स्वस्थ मधुबनी" विषय पर बनाई गई सैंड आर्ट की आयुक्त ने विशेष प्रशंसा की। आयुक्त कौशल किशोर ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय उपलब्धियों की जानकारी भी ली। अपने संबोधन में आयुक्त ने जिलावासियों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मधुबनी कला, संस्कृति, संगीत और चित्रकला की समृद्ध परंपरा के लिए देश-विदेश में विख्यात है। उन्होंने बताया कि जिला निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण के बाद अब मेडिकल कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों का निर्माण तेजी से हो रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन और जनसहभागिता के सहयोग से मधुबनी निश्चित रूप से विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा। उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में लोग, स्कूली बच्चे, पुरुष-महिलाएं तथा सभी वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह के अगले चरण में दोपहर बाद बच्चों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

शिमरतल्ला झील अगर बर्ड सेंचुरी नहीं तो गौचर जमीन पर एयरपोर्ट भी नहीं

नई सोच एक्सप्रेस

साहिबगंज। सोमवार को एक बार फिर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत डिहारी, पटवर टोला और भोलीया टोला गांव की दर्जनों गृहणियां सांकेतिक रूप से धरना-प्रदर्शन में उपस्थित रहीं। मातृशक्तियों ने शांतिपूर्ण विरोध और धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार व जिला प्रशासन से कहा कि "शिमरतल्ला झील अगर बर्ड सेंचुरी नोटिफाई नहीं होता तो वो गौचर जमीन पर एयरपोर्ट भी नहीं चाहतीं हैं। कार्यक्रम स्थल दयानिधि ओझा शिव मंदिर, डिहारी के प्रांगण में रूपा भारती, नुतन देवी, अर्पना देवी, सोनी कुमारी, भागवती देवी, पुतुल देवी, शांति देवी, शियावती देवी, ज्योति देवी, मंजू ओझा, आशा देवी, लक्ष्मी देवी, महेश्वरी देवी, शंजू देवी, ललीता ओझा, सुनिता देवी, मीरा देवी, अरिला देवी, जानकी देवी, पुनम देवी, रिना देवी, सोनी देवी, श्यामा देवी, गीता देवी सहित अन्य मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

मधुबनी पुलिस का विशेष अभियान 43 अभियुक्त गिरफ्तार 18 वारंट व 120 सम्मन का निष्पादन

नई सोच एक्सप्रेस

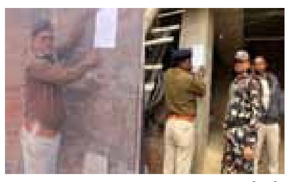

» अपराध नियंत्रण में बड़ी कार्रवाई, शराब बरामदगी और वाहनों से 1.27 लाख जुर्माना वसूला

मधुबनी/बिहार। जिला पुलिस ने 30 नवम्बर 2025 को चलाए गए विशेष अभियान में बड़ी उपलब्धि दर्ज करते हुए कुल 43 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिदेशक, बिहार, पटना के आदेश तथा पुलिस अधीक्षक, मधुबनी के निर्देशन में इस अभियान को गंभीर आपराधिक मामलों जैसे हत्या, लूट, डकैती, बलात्कार एवं पुलिस पर हमले—में कुर्की-जब्ती और लंबित प्रक्रियाओं के निष्पादन पर केंद्रित किया गया था। अभियान के दौरान 18 वारंट 10 इश्तेहार तथा 120 सम्मन का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया। गिरफ्तार किए गए 43 अभियुक्तों में 06 शराब व्यवसाय से जुड़े आरोपी 17 वारंटी हत्या के प्रयास के 03 आरोपी महिला उत्पीड़न मामलों के 02 आरोपी हत्या के मामलों में 02 गिरफ्तारी तथा अन्य कांडों में 13 अभियुक्त शामिल हैं। अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस ने जिले में सघन वाहन जांच अभियान भी चलाया। इस दौरान कुल 71 वाहनों से 1,27,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त जिले में 1257 लीटर देशी व विदेशी शराब, 01 चारपहिया वाहन, 05 मोटरसाइकिल और 01 स्कूटी भी बरामद की गई। मधुबनी पुलिस का यह अभियान जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने और लंबित मामलों के निपटारे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मधुबनी स्थापना दिवस पर कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न, मधुबनी टीम 20–13 से विजेता

नई सोच एक्सप्रेस

» जिला खेल पदाधिकारी ने खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी व प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

मधुबनी/बिहार। जिले के 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज वाटसन उच्च विद्यालय परिसर स्थित खेल भवन सह व्यायामशाला में बालकों का कबड्डी मैच आयोजित किया गया। रोमांचक मुकाबले में मधुबनी टीम ने जयनगर को 20–13 के अंतर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। मधुबनी टीम के खिलाड़ियों में रमन कुमार यादव, सूरजभान सिंह, प्रिंस झा, आशीष कुमार, साकेत कुमार, मेराजुद्दीन, गंगेश कुमार, सरोज कुमार, विजय कुमार, सुधांशु कुमार तथा राजन सिंह शामिल रहे। वहीं जयनगर टीम से आदित्य कुमार, दुष्यंत कुमार, मोनू कुमार, मोहम्मद रेहान, प्रेमसागर, रंजन कुमार, अंकुश कुमार, चंद्रभूषण, आयुष कुमार तथा भोलू कुमार ने भाग लिया। स्कोरर की भूमिका मुस्कान कुमारी और भारती कुमारी ने निभाई। कार्यक्रम का उद्घाटन एवं समापन जिला खेल पदाधिकारी श्री नीतीश कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर संबोधित करते हुए श्री कुमार ने कहा कि स्थापना दिवस खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है, जिससे वे भविष्य में खेल क्षेत्र में नई ऊचाइया प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर खेल शिक्षक सुनील कुमार ठाकुर, राकेश कुमार गुड्डू, कैलाश कुमार, नवनीत कुमार, सचिनद्र कुमार, मधुबनी खेल कार्यालय के अभिषेक कुमार, हरेराम सिंह, राकेश रोशन सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा के मंदिर में चोरों ने ले भागे लगभग पाँच लाख के सामान

मामला परियोजना उच्च विद्यालय कंडसार में बड़ी चोरी

कटकमसाण्डी।कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत परियोजना उच्च विद्यालय कंडसार में बीती रात चोरों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए परियोजना उच्च विद्यालय कंडसार से करीब पाँच लाख रुपये मूल्य के सामान पर हाथ साफ कर दिया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार चोर कम्प्यूटर, टैब, प्रिंटर सहित कई महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को तोड़फोड़ कर अपने साथ ले गए। चोरी की यह घटना शिक्षा के मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में चोरों ने आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी स्कूलों और पंचायत भवनों को अपना मुख्य निशाना बनाया है। थाना क्षेत्र में पिछले कुछ सप्ताह के भीतर कई विद्यालयों में चोरी की घटनाएँ सामने आ चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ठंड बढ़ने के साथ ही रातों में गश्ती कम होने का फायदा उठाकर चोर लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। परियोजना उच्च विद्यालय प्राचार्य ने चोरी की पूरी घटना की जानकारी कटकमसांडी थाना को लिखित रूप से दी है। उनके अनुसार विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई और डिजिटल शिक्षा के लिए उपलब्ध संसाधनों को भारी नुकसान पहुँचा है, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होना तय है। प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय परिसर में रात में सुरक्षा की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होने से चोरों को वारदात का मौका मिला। घटना की सूचना मिलते ही कटकमसांडी थाना पुलिस मौके पर पहुँची और विद्यालय परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना प्रभारी शिवम् गुप्ता ने बताया कि पुलिस तकनीकी संसाधनों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए मामले के उद्भेदन में जुटी है। उन्होंने दावा किया कि चोरी की इस घटना को अंजाम देने वाले अपराधियों की पहचान जल्द ही कर ली जाएगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इधर, ग्रामीणों ने प्रशासन से विद्यालय सहित क्षेत्र के सभी सरकारी परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है। उनका कहना है कि लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने आम लोगों का चैन छीन लिया है। लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्ती बढ़ाई जाए, साथ ही विद्यालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे और चौकीदार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चोरी की इस वारदात ने जहाँ शिक्षा व्यवस्था को झटका दिया है, वहीं बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हुई है। ग्रामीण उम्मीद कर रहे हैं कि पुलिस जल्द ही मामले को सुलझाएगी और विद्यालय की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएँगे।

राज्य स्तरीय विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम सदर अस्पताल रांची में आयोजित

» अभियान निदेशक एनएचएम सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी हुए शामिल

रांची। विश्व एड्स दिवस 2025 के अवसर पर सदर अस्पताल रांची के ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड शशि प्रकाश झा (IAS) ने युवाओं से एचआईवी/एड्स के प्रति अधिकतम जन-जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। श्री झा ने कहा कि झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एड्स रोकथाम, जांच एवं रक्तदान से जुड़े व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनसे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना आवश्यक है। राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. कमलेश प्रसाद ने एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव समाप्त करने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर दिया। वहीं अपर परियोजना निदेशक डॉ. एस.एस. पासवान ने बताया कि राज्य में 65 आईसीटीसी केंद्रों के माध्यम से जांच व काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध है तथा 13 एआरटी केंद्रों पर संक्रमितों को मुफ्त उपचार और दवा प्रदान की जा रही है। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों एवं संत जेवियर कॉलेज के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की, जिन्हें एड्स जागरूकता पर केंद्रित किया गया। रक्तदान व एचआईवी जांच में उत्कृष्ट कार्य के लिए सदर अस्पताल रांची, एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर, रिम्स रांची व एमजीएम के आईसीटीसी/एआरटी केंद्रों को सम्मानित किया गया। विश्व एड्स दिवस की पूर्व संध्या पर 30 नवंबर को कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें नर्सिंग व कॉलेज के छात्रों ने एड्स से बचाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. सिद्धार्थ सान्याल, संयुक्त निदेशक सीएसटी, आईईसी, बीएसडी, टीआई सहित झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के पदाधिकारी एवं सदर अस्पताल के चिकित्सक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरसेटी में महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू, उपायुक्त ने किया उद्घाटन

» आत्मनिर्भरता की ओर कदमः 30 दिवसीय प्रशिक्षण से महिलाएं बनेंगी सशक्त

पाकुड़। सदर प्रखंड के सोनाजोड़ी स्थित भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

आर्थिक सशक्तिकरण पर उपायुक्त का जोर

उपायुक्त मनीष कुमार ने प्रशिक्षु महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनकी आर्थिक सशक्तिकरण क्षमता बढ़ाने और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आरसेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि संस्थान द्वारा चलाए जा रहे अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे सहायक बहीखाता सहायक, परिधान आभूषण (कॉस्ट्यूम ज्वेलरी) एवं त्वरित खाद्य स्टॉल उद्यमी प्रशिक्षण भी युवाओं और महिलाओं को कौशल आधारित आजीविका के लिए तैयार कर रहे हैं।

अनुभवों का आदान-प्रदान और संकल्प

इस अवसर पर प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए और प्रशिक्षण से मिली सीख को जीवन में उतारने तथा स्वरोजगार स्थापित करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में आरसेटी निदेशक राजेश कुमार मिश्रा तथा जिलास्तरीय आजीविका प्रोत्साहन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण मिश्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम का स्वागत एवं मंच संचालन संस्थान के वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार बर्धन ने किया, जिन्होंने प्रशिक्षण की रूपरेखा एवं आरसेटी की अब तक की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी।इस दौरान आरसेटी की संकाय वापी दास सहित संस्थान के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

"प्रोजेक्ट प्रयास" के तहत JPSC/JSSC निःशुल्क कोचिंग का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।जिला प्रशासन, पाकुड़ द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी पहल "प्रोजेक्ट प्रयास - हुनर से होनहार तक का सफर" के तहत सोमवार को रविन्द्र भवन (टाउन हॉल) में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम (Orientation Programme) का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) की निःशुल्क कोचिंग के लिए चयनित अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन हेतु आयोजित किया गया था।कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी (DEO) महोदय द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

युवाओं की प्रतिभा को निखारना ही उद्देश्य

इस अवसर पर, उपायुक्त मनीष कुमार ने उपस्थित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए "प्रोजेक्ट प्रयास" के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं की प्रतिभा को निखारना और उन्हें राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहतर रूप से तैयार करना है। जिला प्रशासन गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन, आवश्यक संसाधन और सतत अनुश्रवण (Continuous Monitoring) के माध्यम से युवाओं को सफलता की राह पर आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

चुनौतियाँ नहीं, अवसर हैं

उपायुक्त ने अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, "परीक्षा की तैयारी में कई प्रकार की चुनौतियाँ सामने आती हैं, लेकिन इन्हें बाधा के रूप में नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देखना चाहिए।" उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि संकट की स्थिति में भी अपने लक्ष्य से पीछे न हटते हुए धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना ही सफलता की असली कुंजी है।

सफलता के लिए व्यवहारिक सुझाव

उपायुक्त ने कई प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से अभ्यर्थियों को लगन, नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन (Time Management), स्व-अनुशासन और आत्मविश्वास के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कई व्यवहारिक और कारगर सुझाव भी दिए, जिससे चयनित विद्यार्थी अपनी तैयारी को सही दिशा दे सकें।यह उन्मुखीकरण कार्यक्रम "प्रोजेक्ट प्रयास" के अंतर्गत निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं के औपचारिक आरंभ का प्रतीक है, जो पाकुड़ के युवाओं को सरकारी सेवा में जाने के सपने को साकार करने में एक बड़ा कदम साबित होगा।

फरवरी-मार्च 2026 में बैलेट पेपर से होंगे नगर परिषद चुनाव; उपायुक्त ने तेज की तैयारी

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।आगामी नगर परिषद चुनाव की तैयारी को लेकर आज समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चुनाव तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की।

चुनाव की संभावित तिथि और बैलेट पेपर का इस्तेमाल

उपायुक्त मनीष कुमार ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि नगर परिषद चुनाव फरवरी-मार्च 2026 के बीच संपन्न होने की संभावना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएंगे। उपायुक्त ने सभी को आश्वस्त किया कि चुनाव की निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तैयारी हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से की जा रही हैं।

मतदाता सूची के अद्यतन पर जोर

उपायुक्त ने राजनीतिक दलों को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) गतिविधि की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में मतदाताओं का मैपिंग अभी अपेक्षा से कम है। उन्होंने सभी दलों से आग्रह किया कि वे मतदाताओं के अद्यतन एवं सत्यापन कार्य में सक्रिय सहयोग दें, ताकि निर्वाचन सूची अधिक सटीक और व्यापक बन सके।

सभी दलों को बीएलए सूची जमा करने का निर्देश

बैठक के दौरान उपायुक्त ने एक महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) द्वारा ही अब तक बीएलए (Booth Level Agent) की सूची उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने अन्य सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे भी अपने-अपने बीएलए की सूची शीघ्र उपलब्ध कराएँ, ताकि आगामी चुनावी कार्यों के दौरान किसी प्रकार की प्रशासनिक या तकनीकी असुविधा न हो। बैठक में निर्वाचन प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें सभी दलों के साथ सहयोगात्मक वातावरण में चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया।

» उपायुक्त मनीष कुमार ने राजनीतिक दलों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक; मांगा सक्रिय सहयोग

बस स्टैंड के पास पाँच दुकानों के ताले टूटे, चाऊमीन दुकान से गैस सिलेंडर चोरी

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के आसपास रविवार की देर रात अज्ञात चोरों ने एक साथ कई दुकानों को निशाना बनाकर सनसनी फैला दी। पाकुड़-बड़हरवा मुख्य सड़क किनारे स्थित चाय, चाऊमीन और गैस सर्विस की कुल पाँच दुकानों के ताले तोड़े गए।

गैस सिलेंडर लेकर फरार हुए चोर

चोरी की यह वारदात डिल्लू, अशरफ शेख, खालिद अंसारी और सोहेल गैस सर्विस सहित अन्य दुकानों में घटी। अंधेरे का फायदा उठाकर चोरों ने इन दुकानों के ताले तोड़े और एक दुकान के शटर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।सोहेल की चाऊमीन दुकान में सेंध लगाने वाले चोरों को हालांकि अधिक सामान नहीं मिला, लेकिन वे सोहेल की दुकान से एक गैस सिलेंडर लेकर फरार होने में कामयाब रहे। अन्य अधिकतर दुकानों से कोई सामान चोरी नहीं हो सका, जिससे दुकानदारों ने राहत की सांस ली।पीड़ित सोहेल ने बताया कि वह रोज की तरह रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोमवार की सुबह जब दुकान पहुँचे तो ताला टूटा देखकर घबरा गए। जाँच करने पर पता चला कि सामान तो जस का तस था, पर दुकान से गैस सिलेंडर गायब था।

पुलिस ने मौके पर पहुँचकर लिया जायजा

घटना की जानकारी मिलते ही दुकानदारों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर, एएसआई अशोक पांडे दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और आसपास की स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है।

दुकानदारों में आक्रोश और दहशत

इस वारदात के बाद बस स्टैंड क्षेत्र के दुकानदारों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ दिन पहले भी बस स्टैंड स्थित एक मैगी प्वाइंट से चोरी हुई थी, लेकिन तब औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। लोगों का कहना है कि छोटी-छोटी घटनाओं को गंभीरता से दर्ज न करने की वजह से असामाजिक तत्वों का हौसला बढ़ता जा रहा है। आसपास रहने वालों ने पुलिस को बताया कि रात के समय दो टेंपू पर सवार कुछ युवक बस स्टैंड क्षेत्र में चक्कर लगाते देखे जाते हैं, जो मौका मिलते ही चोरी जैसी वारदातों को अंजाम देने की कोशिश करते हैं। दुकानदारों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की माँग की है।

» अज्ञात चोरों ने एक रात में पाँच दुकानों को बनाया निशाना; क्षेत्र में दहशत का माहौल

सदर अस्पताल में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता सह कार्यशाला का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, सदर अस्पताल सभागार में जिले में जागरूकता सह कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल और जिला भीवीडी (VBD) पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सुरक्षित व्यवहार और जिम्मेदारी का आह्वान

उपायुक्त मनीष कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एड्स जैसी संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए समय पर जानकारी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सुरक्षित व्यवहार अपनाएं, सामाजिक कल्याण के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएं, और एड्स के प्रति जनमानस में सकारात्मक सोच का प्रसार करें। इस दौरान उपायुक्त ने सदर अस्पताल के सभी कर्मियों को ईमानदारी पूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करने का भी निर्देश दिया, ताकि स्वास्थ्य सेवाएँ सुचारू रूप से चलती रहें।

समय पर जांच और नियमित निगरानी पर जोर

सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा ने अपने संबोधन में एड्स के उपचार और रोकथाम के लिए समय पर जांच और नियमित स्वास्थ्य निगरानी को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों को सही जानकारी प्रदान करने और संक्रमण से बचाव के लिए पूर्वनिवारक कदम उठाने में काफी मदद करते हैं।कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। अंत में, सभी ने संक्रमण रोकथाम और सामाजिक संवेदनशीलता बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया।

» उपायुक्त ने कहा- सुरक्षित व्यवहार और सकारात्मक सोच से ही संभव है एड्स का बचाव

नवादा पंचायत में बाल विवाह रोकथाम हेतु जागरूकता रैली

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ जिला के सदर प्रखंड पाकुड़ अंतर्गत नवादा पंचायत में आज बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति की रोकथाम के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में शिक्षा और समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया और लोगों को बाल विवाह के कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया।

संयुक्त प्रयास से जागरूकता का प्रसार

इस जागरूकता रैली का नेतृत्व उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नवादा की प्रधानाध्यापिका बीवी आरफा खातुन और उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, नवादा पूर्वी भाग के सहायक शिक्षक जुवेर आली तथा बेनारूद्दीन शेख ने किया। उनके साथ, नवादा पंचायत की सेविकाएँ मानवी सिंह, चम्पा खातुन एवं जासमिनारा बीवी भी इस रैली में शामिल हुईं। सभी ने एक साथ मिलकर नवादा पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों में घूमकर लोगों से बाल विवाह न करने और इसे रोकने में सहयोग करने की अपील की। रैली के माध्यम से स्थानीय समुदाय को बाल विवाह के खिलाफ सख्त कानूनों और कम उम्र में शादी के कारण स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया गया। यह संयुक्त प्रयास स्थानीय स्तर पर जागरूकता फैलाने और सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

» उत्क्रमित मध्य एवं प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों और सेविकाओं ने दिया 'बाल विवाह मुक्त समाज' का संदेश

उपायुक्त मनीष कुमार ने किया ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार ने सोमवार को ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) वेयर हाउस का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण मासिक निरीक्षण की कड़ी में किया गया, जिसके तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी को हर माह (बाहर से) और त्रैमासिक (अंदर से) वेयर हाउस की स्थिति का जायजा लेना होता है।

विधि व्यवस्था और उपकरणों की जांच

निरीक्षण के दौरान, जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस के विधि व्यवस्था से संबंधित सभी आवश्यक पहलुओं की गहन जांच की। उन्होंने वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और सुनिश्चित किया कि सभी मानक पूरे हो रहे हैं।उपायुक्त ने वेयर हाउस के अंदर रखे गए ईवीएम मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य तकनीकी उपकरणों की स्थिति तथा उनके रख-रखाव का विस्तृत जायजा लिया।

रिपोर्ट मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग को भेजने का निर्देश

गौरतलब है कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी को इस निरीक्षण के बाद रख-रखाव एवं तकनीकी उपकरणों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग, रांची को समर्पित करनी होती है। इसी संबंध में, मनीष कुमार ने निरीक्षण करते हुए निर्वाचन विभाग के कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और इस प्रतिवेदन को अविलंब मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग, रांची को भेजने का निर्देश दिया।इस निरीक्षण के अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी, मान्यता प्राप्त सभी राजनीतिक पार्टियों के जिला अध्यक्ष/सदस्य, एवं निर्वाचन कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

» सुरक्षा व्यवस्था और ईवीएम मशीनों के रख-रखाव का लिया जायजा

जन शिक्षण संस्थान में विश्व एड्स दिवस पर 'एड्स प्रतिक्रिया को बदलने' का संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, जन शिक्षण संस्थान (JSS), पाकुड़ में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "विघटन पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया को बदलना" (Overcoming Disruption, Changing AIDS Response) पर आधारित इस कार्यक्रम में संस्थान की प्रशिक्षण लेने वाली महिला लाभार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

लाभार्थियों को दी गई एड्स की विस्तृत जानकारी

संस्थान द्वारा प्रशिक्षण ले रहीं लाभार्थियों को एचआईवी/एड्स से संबंधित विस्तृत वैज्ञानिक जानकारी, रोकथाम के उपाय और सामाजिक संवेदनशीलता के महत्व के बारे में बताया गया। विशेषज्ञों ने अनुशासनपूर्वक एड्स के प्रसार को रोकने और संक्रमित व्यक्तियों के प्रति समाज के सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए जानकारी साझा की।

रैली के माध्यम से समाज में दिखाई एकजुटता

इस कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि लाभार्थियों ने एकजुटता दिखाते हुए अलग-अलग गतिविधियों (Activities) और जागरूकता रैली के माध्यम से समाज में एड्स की सही जानकारी देने का संकल्प लिया। लाभार्थियों ने हाथों में तख्तियाँ लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों में रैली निकाली और जन-मानस को एड्स के संबंध में सही तथ्यों से अवगत कराया। उनकी इस पहल ने यह संदेश दिया कि एड्स से लड़ाई में डर नहीं, बल्कि समझ और जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। जन शिक्षण संस्थान का यह प्रयास स्थानीय समुदाय में एचआईवी/एड्स के बारे में फैली भ्रांतियों को दूर करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

» थीम "विघटन पर काबू पाना, एड्स प्रतिक्रिया को बदलना" पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं। मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

वोटर लिस्ट अपडेट या राजनीतिक खेल?

आरती कुमारी

बिहार विधानसभा चुनावो से पूर्व आरंभ हुआ मतदाता सूची का शुद्धीकरण (एसआईआर) अभियान अब पश्चिम बंगाल तथा उत्तर प्रदेश सहित कुछ अन्य राज्यों में चल रहा है। देश के तमाम विरोधी राजनैतिक दलों ने मतदाता सूची शुद्धीकरण अभियान के विरुद्ध आक्रामक राजनीति भी कर रहे हैं। मतदाता सूची के शुद्धीकरण अभियान के अंतर्गत जिन लोगों की मृत्यु हो चुकी है या जो लोग कहीं अन्यत्र चले गए हैं, या जिनके पास एक से अधिक मतदाता क्रमांक हैं उनकी पहचान करके उनको मतदाता सूची से बाहर किया जा रहा है। निर्वाचन आयोग कई बार स्पष्ट कर चुका है कि एसआईआर की इस प्रक्रिया में कोई भी योग्य मतदाता छूटेगा नहीं और कोई भी विदेशी घुसपैठिया सूची में रहेगा नहीं। चुनाव आयोग के इस अभियान में लाखों कर्मचारी व अधिकारी दिन रात कठोर परिश्रम कर रहे हैं। जिस समय देश के समस्त राजनैतिक दलों को चुनाव आयोग के इस अभियान में सम्पूर्ण सहयोग सहयोग करना चाहिए उस समय विरोधी दल इसका विरोध कर रहे हैं और इसे पटरी से उतारने के लिए तरह- तरह की पैतरेंबाजी कर रहे हैं। एसआईआर की प्रक्रिया के विरुद्ध कांग्रेस पार्टी सहित केरल, तमिलनाडु और बंगाल कि राज्य सरकारें सुप्रीम कोर्ट तक चली गयीं। झारखंड सरकार के एक मंत्री ने बयान दिया कि अगर बीएलओ किसी मतदाता का नाम काटता है तो उस बीएलओ को एक कमरे में बंद करके आग लगा दो। जो लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं वही लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया व संवैधानिक काम में बाधा डालने का घृणित प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जहां एक ओर वोट चोरी का आरोप लगाते हुए शुद्ध मतदाता सूची की मांग कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर इस अभियान का विरोध कर रहे हैं। राहुल को पता ही नहीं कि वो क्या चाहते हैं? बंगाल में तीखा विरोध- एसआईआर का सबसे तीखा विरोध बंगाल, केरल, तमिलनाडु में सरकारी स्तर पर देखने को मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में जातिवाद व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले सभी दल इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। बंगाल में जब से मतदाता सूची शुद्धीकरण का अभियान प्रारंभ हुआ है तभी से बांग्लादेशी घुसपैठिए स्वतः बंगाल छोड़ रहे हैं और सीमा पार जाने के लिए एकत्र हो रहे हैं। अनेक बांग्लादेशी घुसपैठियों ने कैमरे के सामने आकर स्वीकारा है कि वह कई वर्षो से बंगाल में रह रहे हैं, उनका आधार कार्ड व राशन कार्ड तक बना हुआ है। एसआईआर प्रक्रिया से बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घुसपैठियों के मुद्दे पर पूरी तरह से बेनकाब हो रही हैं। एक समय में ममता बनर्जी ने बंगाल में बढ़ रही घुसपैठ के खिलाफ संसद से सड़क तक आवाज बुलंद की थी और वर्ष 2002 में एसआईआ का समर्थन किया था। उस समय ममता दीदी को बंगाल का मुख्यमंत्री बनना था लेकिन अब वो मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीती के कारण घुसपैठियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए, भारत और भारतियों के हितो को दरकिनार करते हुए मतदाता शुद्धीकरण अभियान का विरोध कर रही हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस अभियान के विरोध में पूरे भारत में आग लगाने की धमकी दे रही हैं। ममता बनर्जी ने एसआईआर के विरोध के नाम पर आगामी छह दिसंबर को एक रैली करने का निर्णय लिया है जिसका नाम उन्होंने सद्भावना रैली रखा है। रैली का नाम और तिथि दोनों ही उनकी मंशा पर संदेह अगर उन्हें उत्पन्न कर रहे हैं। बंगाल में एसआईआर के कार्य में लगे कर्मचरियों को धमकियां दी जा रही हैं। विरोधी दलों ने एसआईआर पर दोहरे मापदंड वाली रणनीति अपनाई है। एक तरफ यह एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल हो रहे हैं और दूसरी और न्यायपालिका की शरण

में भी जा रहे हैं और समाज में व्यापक पैमाने पर झूठ और भ्रम फैलाने वाले बयान भी दे रहे हैं।अभी टीएमसी नेताओं की चुनाव आयोग के साथ एक बैठक भी हुई जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग से पांच सवाल पूछे। उसके बाद चुनाव आयोग ने अत्यंत कड़ा रुख अपनाते हुए बंगाल के डीजीपी को पत्र लिखकर मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के कार्य में लगे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सुरक्षा देने को कहा है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी विरोध- एसआईआर पर यूपी में मुस्लिम तुष्टिकरण और पीडीए की राजनीति करने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी दोहरा मापदंड अपनाते हुए अपना एसआईआर का फार्म तो भर कर दे दिया किंतु विरोध के लिए एक नया शिगूफा छोड़ दिया है कि एसआईआर की इस प्रक्रिया के कारण आरक्षण समाप्त हो जाएगा। आपकी जमीन खेत और नौकरी आदि सब कुछ छीन लिया जाएगा। वह यह भी दावा कर रहे हैं कि इसके कारण कम से कम एक करोड़ से ढाई करोड़ तक मतदाताओं के नाम कट जाएंगे। जब उनकी भ्रम पैदा करने वाली बयानबाजी कम पड़ जाती है तब वह चुनाव आयोग को लठैत आयोग बताने लगते हैं। वास्तविकता यह हे कि एसआईआर की यह प्रक्रिया मतदाता सूची को व्यापक ढंग से शुद्ध कर रही है। विचार करने कि बात है क्या लोकतान्त्रिक व्यवस्था की परिष्कृति के लिए जिस मतदाता की 2003 से 2025 के मध्य मृत्यु हो चुकी है या जो मतदाता अन्यत्र चला गया है या जो भारत का नागरिक ही नहीं है क्या उसका नाम हटना नहीं चाहिए। वो कौन लोग हैं जो मृत्यु के बाद भी मतदान कर रहे हैं? मतदाता सूची शुद्धिकरण लोकतंत्र की शुचिता के लिए आवश्यक है। तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले स्वार्थी नेता इस बात को समझें या न समझें मतदाता इस बात को अच्छी तरह समझ रहा है और प्रक्रिया को पर्याप्त समर्थन व सहयोग दे रहा है।

अखबार में परोसे जाने वाले भोजन होते हैं - 'साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी'

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारतीय समाज में एक आम दृश्य है ठेले, दुकानों और ढाबों पर बिकने वाले पकवान, समोसे-कचौड़ी, चाट, पकोड़े, जलेबी, इडली-सांभर, पराठे और अनगिनत देसी व्यंजन, जिन्हें अक्सर अखबार या अन्य छपे हुए कागज में लपेटकर ग्राहकों को दिया जाता है। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है क्योंकि यह सस्ती, आसान और दिखने में 'सुरक्षित' लगता है। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों की गलियों तक, यह परंपरा ऐसी जमी हुई है कि जब कोई दुकानदार खाना अखबार में लपेटकर देता है तो हम बिना सोचे-समझे उसे स्वीकार कर लेते हैं। लेकिन इस सहज दिखने वाली आदत के भीतर छिपा है एक धीमा जहर, एक साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी, जो धीरे-धीरे शरीर में घर कर रही है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने कई बार चेतावनी जारी की है कि अखबार में खाना लपेटना न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि खाद्य सुरक्षा कानूनों के तहत प्रतिबंधित भी है। फिर भी, वास्तविकता यह है कि देश के हर कोने में यह प्रथा आज भी बहुत सामान्य है। आज के अखबार रंगीन और आकर्षक होते हैं। उन्हें छापने के लिए इस्तेमाल होती है मिनरल ऑयल आधारित स्याही, कई रंगीन रसायन, पॉली साइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAH), बिस्फेनल-A (BPA), थैलियम, लेड और अन्य भारी धातुएँ। स्याही को चिपकाने के लिए उपयोग किए जाने वाले रसायन गर्म चीजों के संपर्क में आते ही ढीले पड़ जाते हैं और भोजन में घुलने लगते हैं। FSSAI के अनुसार, प्रिंटिंग इंक में पाया जाने वाला मिनरल ऑयल, विशेषकर MOAH (Mineral Oil Aromatic Hydrocarbon) अत्यंत खतरनाक है। यह शरीर में प्रवेश करते ही हार्मोनल असंतुलन, कोशिकीय क्षति, प्रजनन क्षमता में कमी और कैंसर का कारण बन सकता है। MOAH को लैब में कैंसरजनक (carcinogenic) पाया गया है। सबसे घातक यह है कि यह भोजन में बिना स्वाद और बिना गंध के घुलता है। पॉली साइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAH) तत्व मुख्यतः त्वचा, फेफड़े और मूत्राशय के कैंसर से जुड़ा पाया गया है। यह शरीर में जाकर DNA को नुकसान पहुंचाता है। कोशिकाओं के विभाजन को असामान्य बनाता है और लंबे समय तक रहने पर ट्यूमर बनने की संभावना बढ़ाता है। BPA के अत्यंत भयानक प्रभाव हैं लड़कियों में समय से पहले माहवारी, पुरुषों में बांझपन, भ्रूण के विकास में बाधा, हार्मोन उत्पादन में गड़बड़ी और मस्तिष्क के विकास पर असर। कई देशों में BPA पर प्रतिबंध लगा है। भारत में भी इसके उपयोग को लेकर कड़े नियम हैं, पर छपे हुए कागज़ों में यह आज भी पाया जाता है। प्रिंटिंग स्याही में पाए जाने वाले तत्वों से न्यूरोलॉजिकल समस्या, व्यवहारिक बदलाव, मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन और हार्मोन असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है। समोसा, कचौड़ी, पराठा, जलेबी, पकौड़ा, चाउमीन, यह सभी गरम-गरम बेचे जाते हैं। गरम के कारण अखबार की स्याही तेजी से पिघलकर भोजन पर फैलती है। जैसे ही गर्म नाश्ता अखबार पर रखा जाता है तो स्याही के कण पिघलता है। रसायन भोजन में घुल जाता है। तेल और नमी इन्हें भोजन में गहराई तक खींच लेती है। यह प्रक्रिया इतनी तेज होती है कि कुछ सेकंड का संपर्क भी भोजन को दूषित कर देता है। तेल और गर्मी दोनों मिलकर रसायनों को भोजन में फैलाता हैं। इसलिए समोसा, पराठा, पकोड़ा, छोले-भटूरे, तंदूरी आइटम सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। अध्ययन बताता हैं कि अखबार में लिपटा खाना खाने से सीखने में कठिनाई, ध्यान केंद्रित न कर पाना, विकास में देरी, व्यवहारिक बदलाव और बुद्धि स्तर पर प्रभाव स्पष्ट तौर पर देखा गया है। BPA और अन्य रसायनों के कारण लड़कियों में प्रारंभिक यौवन, लड़कों में हार्मोन असंतुलन और प्रजनन क्षमता में कमी जैसे गंभीर प्रभाव देखा गया है। जब यह रसायन पेट और आंतों में जाता हैं, तो एसिडिटी, गैस, पेट दर्द, डायरिया, संक्रमण और अल्सर जैसी समस्याएँ होने लगती हैं। धीरे-धीरे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम होती जाती है। बुजुर्ग और बच्चे इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। MOAH और PAH जैसे रसायन कई प्रकार के कैंसर की जड़ माने जाते हैं फेफड़े का कैंसर, पेट का कैंसर, मूत्राशय का कैंसर और त्वचा का कैंसर। यह खतरा लंबे समय तक अखबारी कागज़ पर खाना खाने वालों में अधिक होता है। अखबार किसी प्लास्टिक पैक में नहीं आता है उन्हें छपने के दौरान मशीनों की गंदगी, प्रिंटिंग प्रेस की सतह, ट्रकों और ई-रिक्शा की धूल, दुकानों में खुले वातावरण, विक्रेताओं के हाथों और मिट्टी-पानी सबका संपर्क मिलता है। रीसाइकिल किए गए कागज के बारे में तो कहा ही जाता है कि वह सबसे अस्वच्छ होता है। यह सूक्ष्म बैक्टीरिया भोजन को दूषित कर देता हैं और परिणामस्वरूप फूड पॉइजनिंग, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण, उल्टी-दस्त और बुखार जैसी समस्याएँ पैदा होती हैं। खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग) विनियम–2018 में स्पष्ट लिखा है कि अखबार या छपे हुए कागज़ में भोजन को लपेटना पूरी तरह प्रतिबंधित है। FSSAI ने कई बार चेतावनी जारी की है कि अखबार में खाना देना, खाना परोसना और लपेटना सब कानूनन अपराध है। फिर भी पालन नहीं होता है क्योंकि इसमें लागत कम है, लोग जागरूक नहीं है, दुकानदार सस्ते विकल्प चाहते हैं, निरीक्षण की कमी है और ग्रामीण इलाकों में निगरानी सीमित है। इसलिए यह आदत वर्षों से चली आ रही है। ग्रामीण बाजारों में पॉपुलर हो चाट, समोसा, पकौड़ा, जलेबी, चूड़ा-दही, चना अक्सर अखबार में दिया जाता है। लोग यह मानते हैं कि कागज़ बस कागज़ है। उन्हें स्याही के खतरों की जानकारी नहीं है। ग्रामीण इलाकों में कुपोषण अधिक है, स्कूल ड्रॉपआउट दर अधिक है और स्वास्थ्य सुविधाएँ कम हैं। यह समस्या बच्चों को और ज्यादा प्रभावित करती है। एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन स्कूलों के बच्चे अखबार में लिपटा नाश्ता खाते थे उनमें एकाग्रता की क्षमता कम, सीखने की गति धीमी और थकान अधिक जैसी समस्याएँ स्पष्ट देखी गई है। अखबार मुफ्त या बहुत सस्ते मिल जाते हैं, इसलिए दुकानदार इसी का उपयोग करते हैं। "हम तो बचपन से ऐसा खाते आए हैं" यह सोच सबसे बड़ी बाधा है। बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग महंगी है। बड़े शहरों में विकल्प हैं, पर छोटे कस्बों में अभी कमी है। समस्या अदृश्य है, लोग इसके लक्षण को सामान्य समझ लेते हैं, बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है, लोग कारण नहीं समझ पाते हैं, बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। यह वही संकट है जिसे विशेषज्ञ साइलेंट हेल्थ इमरजेंसी कहते हैं।

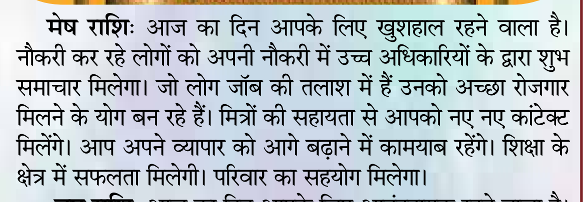

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। जो लोग जॉब की तलाश में हैं उनको अच्छा रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं। मित्रों की सहायता से आपको नए नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है नहीं, तो रिश्तों में दूरियां भी देखने को मिल सकती है। आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सुबह की सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपका पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। अपनी क्षमताओं को पहचाने क्योंकि आपके अंदर ताकत की नहीं, बल्कि इच्छा शक्ति की कमी है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान प्लॉट दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आज किसी अनुभवी शख्स की सलाह के बिना ऐसा काम ना करें, जिसमें आपको कॉन्फिडेंस न हो।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है नहीं, तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार का तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है कि बहुत सी चीजों को बदलना नामुमकिन है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। परिवार में अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें आपको अच्छा सॉल्यूशन मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर हर जगह से आपको काम के लिये ऑफर मिलते दिखायी देंगे।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। अगर आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं, तो आपके लिए लाभ के योग हैं। आप अपने काम में कुछ परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य संबंध के तनाव से छुटकारा पाने के लिए आप अपने रिश्तों में थोड़ी ढ़ील देंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। समाज में आपके सराहनीय काम का सम्मान किया जायेगा। काम में आपका कॉन्फिडेंस आपको सक्सेस दिला सकता है। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे परिवार में हंसी खुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं, तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में कुछ मनमुटाव की स्थिति रहेगी, लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से नई बात सीख सकते हैं साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

युवाओं में बढता 'रील्स कल्चर' समय प्रबंधन में बाधक

डा वीरेन्द्र भाटी मंगल

आज का युवा तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया में जी रहा है। तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया जहां सूचना, अभिव्यक्ति और अवसरों का नया दरवाजा खोलते हैं, वहीं इन माध्यमों का गलत और अत्यधिक उपयोग युवा वर्ग के सामने एक नई सामाजिक चुनौती बनकर उभर रहा है। इनमें सबसे प्रमुख है '''रील्स कल्चर' का बढ़ता प्रभाव''। छोटी वीडियो की इस दुनिया ने युवाओं की सोच, आदतों, दिनचर्या और समय प्रबंधन को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया है। रील्स देखने का यह आकर्षण सही मायने में मनोरंजन है या मानसिक जाल, यह विचारणीय प्रश्न है। रील्स को बेहद आकर्षक बनाने के लिए प्लेटफॉर्मस रंग, संगीत, तेज विजुअल और छोटी-छोटी कहानियों का इस्तेमाल करते हैं। पन्द्रह से तीस सेकेंड की यह सामग्री तुरंत डोपामिन रिलीज करती है जिसके कारण दिमाग इसे बार-बार देखने के लिए प्रेरित करता है। आज के युवा कहते हैं बस एक ही रील और, लेकिन यह 'एक' रील धीरे-धीरे 'एक घंटे' से कई घंटो में कब बदल जाती है, पता ही नहीं चलता है। यह वही समय है जो पढ़ाई, करियर निर्माण, परिवार से बातचीत या अपने कौशल को विकसित करने में लगाया जा सकता था। रील्स देखने से समय तो बर्बाद होता ही है, साथ ही मानसिक ऊर्जा भी टूटकर बिखर जाती है। इसके नियमित व अति उपयोग से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। लंबी बात या गहन अध्ययन में मन नहीं लगता। काम शुरू करने के कुछ मिनट बाद ही फोन उठ जाने की आदत बनने लगती है। दिमाग लगातार 'त्वरित मनोरंजन' की मांग करने लगता है। परिणामस्वरूप युवा 'सही दिशा में काम करने का समय निकाल ही नहीं पाते' और स्वयं को "टाइम नहीं मिलता" की शिकायत में फंसा पाते हैं। जीवन में समय प्रबंधन पर रील्स कल्चर का असर व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है जिसके अन्तर्गत युवाओं की सुबह की दिनचर्या बिगड़ जाना तय है। युवा देर रात तक रील्स देखते हैं और सुबह सुस्ती के साथ उठते हैं। न पढ़ाई की ऊर्जा बचती है, न नौकरी का फोकस बनता है। इसी प्रकार काम व पढ़ाई के बीच रुकावटें पैदा होने लगती है। कुछ देर पढने के बाद ही दिमाग रील्स की तरफ भागता है। यह 'गहरी सीखने की प्रक्रिया को बाधित' करता है। इस रील्स कल्चर के दुष्परिणाम से होमवर्क, पढ़ाई, लेखन और लक्ष्य निर्धारण में भारी गिरावट देखने को मिली है। किसी भी लंबी गतिविधि के लिए धैर्य चाहिए लेकिन रील्स कल्चर धैर्य को कमजोर कर देता है, जिसके कारण समय का सदुपयोग नहीं हो पाता। युवाओं का अधिकांश समय कब रील्स में बीत जाता है कि जिससे सामाजिक समय में कमी देखने को मिलती है। परिवार से बातचीत, दोस्तों से मिलना, खेल-कूद सब कुछ स्क्रीन टाइम में बदल रहा है, जो चिंताजनक है। रील्स का बढता यह जाल युवाओं के लिए नई सामाजिक चुनौती के रूप में सामने आ रहा है। ''रील्स कल्चर'' सिर्फ समय संकट ही नहीं पैदा करता बल्कि मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चेतना पर भी असर डालता है। जिसके कारण व्यक्ति में तुलना और हीनभावना बढ़ती है, अवास्तविक जीवनशैली का दबाव बनता है, आत्मविश्वास में कमी आती है, क्रिएटिविटी घटती है। लेकिन युवा 'लाइक' और 'व्यूज' में अपना किमती समय गवाने हैं।

इस कारण समाज का वास्तविक संवाद कमजोर होता जा रहा है। रील्स कल्चर से बचाव और समय प्रबंधन की राह में समाधान भी है। इसके लिए स्क्रीन टाइम की स्वयं-निगरानी करते हुए स्वयं के विवेक से निर्णय लेना होगा। मोबाइल की डिजिटल वेलनेस सेटिंग में समय सीमा लगाना जरूरी है। प्रतिदिन अधिकतम तीस मिनट का शॉर्ट वीडियो का समय तय करे। इसके साथ ही रात दस बजे के बाद कोई सोशल मीडिया नहीं। युवाओं को चाहिए कि सुबह उठते ही अपनी दिनचर्या तय करे। इससे मानसिक संतोष होने के साथ ही कार्यशैली व्यापक बनेगी। सुबह उठते ही करीब 30 मिनट फोन से दूर रहें। इस दौरान हल्की स्ट्रेचिंग, प्राणायाम, या पानी पीना मानसिक संतुलन बनाता है। इसके अलावा नो-रील्स' जोन्स भी बनाएं जिसके अन्तर्गत पढ़ाई की टेबल, भोजन का समय, सोने से एक घंटा पहले इन स्थानों पर मोबाइल का प्रयोग बिल्कुल न करें। इसके साथ साथ जीवन में वास्तविक गतिविधियों को बढ़ाएं जैसे कोई नया कौशल सीखें, संगीत, खेल, योग, लेखन आदि के साथ प्रतिदिन कम से कम तीस मिनट किताब अवश्य पढ़ें। जब वास्तविक जीवन रोचक बनता है, डिजिटल व्यसन अपने आप कम हो जाता है। परिवार और समाज की भूमिका को भी समझना जरूरी है। परिवार को भी यह समझना होगा कि केवल डांटने से युवा फोन छोड़ नहीं देंगे। उन्हें संवाद, सहयोग, सकारात्मक माहौल, लक्ष्य और दिशा की आवश्यकता होती है। स्कूल, कॉलेज और समाज को भी समय-प्रबंधन व डिजिटल साक्षरता पर नियमित वर्कशॉप शुरू करनी चाहिए। रील्स कल्चर आज की युवा पीढ़ी को तेज मनोरंजन देता है, लेकिन इसके बदले उनका कीमती समय, ध्यान और मानसिक शांति हर ली जाती है। यदि समय पर जागरूकता नहीं आई, तो आने वाले वर्षों में यह केवल एक डिजिटल समस्या नहीं बल्कि उत्पादकता और सामाजिक संरचना के लिए बडी चुनौती बन जाएगी। सही दिशा, संतुलित उपयोग और समय प्रबंधन के साथ ही युवा इस डिजिटल तूफान में अपना भविष्य सुरक्षित रख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गरीबो के बिच कम्बल वितरण किया गया

दारू।दारू थाना प्रभारी इकबाल हुसैन के द्वारा दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़वार बिरहोर टोला में ग्रामीणों के बीच अवैध अफीम की खेती, यातायात के नियम,मॉब लिंचिंग, डायन प्रथा प्रतिषेध अधिनियम, मानव तस्करी,नशा मुक्ति के संदर्भ में लोगों को अवगत कराकर जागरूक किया गया साथ ही साथ कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत ठण्ड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जरूरतमंद बुजुर्ग महिला पुरुष तथा दिव्यांग महिला को कंबल दिया गया एवं बच्चों के बीच चॉकलेट का वितरण किया गया!

पाकुड़ में नमक–दूध के कर्ज की अनोखी मिसाल, चार वर्ष बाद चुकाया 29 हजार रुपये

पाकुड़।पाकुड़ प्रखंड के बड़ी अलीगंज में रविवार को भरोसे, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों की दुर्लभ मिसाल सामने आई। यहाँ चार वर्षों से चल रहे दूध सप्लाई के बकाये का भुगतान एक अनोखे तरीके से किया गया, जिसे क्षेत्र के लोग नमक और दूध के कर्ज की परंपरागत सोच से जोड़कर देख रहे हैं।

चार वर्षों से चलता रहा दूध सप्लाई का सिलसिला

जानकारी के अनुसार, दादपुर निवासी अजीत यादव पिछले चार वर्षों से पाकुड़ जेल के पीछे बड़ी अलीगंज में रहने वाले सुभान अंसारी के यहाँ नियमित रूप से दूध सप्लाई करते थे। इस पूरे समय में न तो अजीत यादव ने पैसों की मांग की, न ही सुभान अंसारी ने कोई भुगतान किया। फिर भी दोनों के बीच विश्वास का रिश्ता कायम रहा।

एकमुश्त 29 हजार रुपये का भुगतान कर पेश की मिसाल

रविवार को सुभान अंसारी ने स्वयं अजीत यादव को बुलाकर चार वर्षों का बकाया दूध का पूरा 29 हजार रुपये एकमुश्त चुका दिया। भुगतान करते हुए उन्होंने कहा कि "दूध और नमक का कर्ज कभी किसी पर छोड़ना नहीं चाहिए, वरना यह जन्मों तक पीछा करता है।" सुभान के इस कदम ने क्षेत्र में आपसी विश्वास और सांस्कृतिक मान्यताओं का एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

मोहल्ले में दिनभर रही चर्चा

बड़ी अलीगंज और आसपास के मोहल्लों में इस घटना की दिनभर चर्चा होती रही। लोग इसे आपसी भरोसे, सादगी और ईमानदारी का ऐसा उदाहरण मान रहे हैं, जो आज के समय में कम ही देखने को मिलता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना दिखाती है कि इंसानियत और भरोसा आज भी समाज में जीवित है।

आर्म्स एक्ट के वांछित अभियुक्त अन्दीन मंडल गिरफ्तार, भेजा गया जेल

» हिरणपुर पुलिस को मिली सफलता; विशेष अभियान के तहत हुई कार्रवाई

हिरणपुर(पाकुड़)।आपराधिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पाकुड़ पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या 170/20 (आर्म्स अधिनियम) में लंबे समय से वांछित चल रहे अभियुक्त अन्दीन मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आवास से हुई गिरफ्तारी

हिरणपुर थाना की पुलिस टीम ने विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अन्दीन मंडल (उम्र लगभग 24 वर्ष) को उसके गोपालपुर स्थित आवास से गिरफ्तार किया। अन्दीन मंडल, काजल मंडल का पुत्र और गोपालपुर, थाना हिरणपुर, जिला पाकुड़ का निवासी है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह गिरफ्तारी अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गिरफ़्तारी के बाद, पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।हिरणपुर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और तत्परता ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाया है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ताकि जिले में अपराध पर पूरी तरह नियंत्रण पाया जा सके।

उपायुक्त ने एड्स जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी; भ्रांतियों को दूर करने पर जोर

» स्वास्थ्य विभाग का रथ जिले के प्रखंडों और पंचायतों में फैलाएगा जागरूकता का संदेश

पाकुड़।विश्व एड्स दिवस 2025 के अवसर पर आज, सदर अस्पताल परिसर से एचआईवी/एड्स जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ. मनीष सिन्हा और जिला भीवीडी (VBD) पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

जागरूकता ही भेदभाव को दूर करने का प्रभावी उपायः उपायुक्त

स्वास्थ्य विभाग, पाकुड़ द्वारा संचालित यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों में भ्रमण करेगा और आमजन को HIV/AIDS से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगा।इस अवसर पर, उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि HIV/AIDS के प्रति जागरूकता ही इसके प्रति फैली भ्रांतियों और भेदभाव को दूर करने का सबसे प्रभावी उपाय है।उन्होंने जनता को मूलभूत आवश्यकताओं से अवगत कराते हुए बताया कि समय पर जांच, उपचार की निरंतरता, सुरक्षित व्यवहार और सही जानकारी ही HIV संक्रमण की रोकथाम व नियंत्रण की कुंजी हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से सक्रिय योगदान की अपील की, ताकि यह जागरूकता अभियान अधिक से अधिक लोगों तक पहुँच सके और वे जागरूक हो सकें।

के.के.एम. कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर 'जागरूकता ही सुरक्षा' का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।विश्व एड्स दिवस के अवसर पर, के.के.एम. कॉलेज, पाकुड़ के बी.एड. विभाग द्वारा जागरूकता एवं जन-स्वास्थ्य पर आधारित एक विशेष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी शिक्षकों (छात्रों) को एचआईवी/एड्स से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी, रोकथाम के उपाय और सामाजिक संवेदना से अवगत कराना था।

प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष का महत्वपूर्ण संदेश

कार्यक्रम का आरंभ स्वागत भाषण से हुआ, जिसके बाद छात्र प्रस्तुतियाँ शुरू हुईं। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, भाषण और कविता के माध्यम से एचआईवी/एड्स जागरूकता का व्यापक संदेश दिया।प्राचार्य डॉ. युगल झा ने अपने संदेश में कहा, "एड्स से लड़ाई केवल दवाइयों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भी है। युवाओं को आगे आकर समाज में सही जानकारी फैलानी चाहिए।"बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. महबुब आलम ने इस बात पर जोर दिया कि, "शिक्षा ही एचआईवी/एड्स के प्रसार को रोकने का सबसे प्रभावी माध्यम है। प्रत्येक विद्यार्थी को जागरूक नागरिक बनकर समाज में योगदान देना चाहिए।"

'डर नहीं, समझ चाहिए' नाटक की प्रस्तुति

कार्यक्रम में रेड रिबन जागरूकता अभियान और एड्स-रोधी शपथ का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।बी.एड. विभाग के छात्रों ने अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दीं:

» बी.एड. छात्रों ने नुक्कड़ नाटक, भाषण और कविता से दिया सामाजिक संवेदना का संदेश

भाषण कार्यक्रमः देव कुमार दास, अंशु मुर्मू, रितु कुमारी और संतोष मरांडी ने एड्स के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कविता कार्यक्रमः रितु कुमारी, ज्योति कुमारी, रिंपा साहा, प्रेम प्रकाश बेसरा और दिव्या हेंब्रम ने अपनी कविताओं से भावनात्मक संदेश दिया।

नाटक प्रस्तुतिः छात्रों ने "डर नहीं, समझ चाहिए" शीर्षक पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के मुख्य कलाकार अंशु मुर्मू, रिंपा साहा, सुदीप रविदास, सुजीत कुमार, देव कुमार दास, एलिसा हांसदा, मेलिसेंट हेंब्रम, मो. मशूद आलम और दिव्या नीतू हेंब्रम थे।कार्यक्रम का सफल संचालन छात्र सुदीप रविदास ने किया।

संकाय सदस्यों की उपस्थिति

इस विशेष कार्यक्रम में बी.एड. विभाग के संकाय सदस्य अत्रायी सरकार, इन्द्राणी सरकार, चन्द्रा ज्ञान तिर्की, डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, डॉ. फ्रेडरिक केरकेट्टा, डॉ. हरीश कुमार पांडेय, डॉ. देवोप्रिया सरकार, मिस संगीता तिर्की तथा अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कॉलेज प्रशासन ने समापन संदेश देते हुए कहा, "एड्स से घबराएँ नहीं, जागरूक रहें—सही जानकारी ही सुरक्षा है।"

वनडे मैच में सुरक्षा चूक व टिकट घोटाले पर JSCA अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के इस्तीफे की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

» विजय शंकर नायक ने कहा—झारखंड की छवि पर कलंक, क्रिकेट प्रेमियों से माफी मांगे

रांची।भारत–दक्षिण अफ्रीका प्रथम वनडे मैच के दौरान रांची स्थित JSCA स्टेडियम में हुई बड़ी सुरक्षा चूक, नकली टिकटों की बिक्री और टिकट कालाबजारी को लेकर आदिवासी-मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि 30 नवंबर को मैच के दौरान हजारों दर्शकों को भारी अव्यवस्था का सामना करना पड़ा। कई दर्शक वैध टिकट होने के बावजूद प्रवेश नहीं पा सके, जबकि नकली टिकट वाले अंदर पहुँच गए। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल रही और खुलेआम कालाबाजारी हुई, जो JSCA की बड़ी नाकामी है। श्री नायक ने JSCA अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव और उपाध्यक्ष अजय पाण्डेय से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफे और झारखंड समेत देशभर के क्रिकेट प्रेमियों से सार्वजनिक माफी की मांग की है। साथ ही पूरी घटना की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच और पारदर्शी टिकटिंग व मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई है।

नवाडीह के पास मुख्य सड़क पर शीशम का विशाल पेड़ गिरा, ढाई घंटे तक लगा रहा भीषण जाम

नई सोच एक्सप्रेस

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़)।लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा-हिरणपुर मुख्य सड़क पर सोमवार को नवाडीह गांव के समीप एक बड़ा हादसा होने से बच गया। दोपहर लगभग बारह बजे, सड़क किनारे लगा वर्षों पुराना एक शीशम का विशाल पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर सड़क के ठीक बीचों-बीच गिर गया।पेड़ गिरने के कारण मुख्य सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई, जिससे आवागमन ठप्प हो गया और सड़क पर भीषण जाम लग गया। देखते ही देखते सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस ने जेसीबी की मदद से खुलवाया जाम

घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही लिट्टीपाड़ा थाना की टीम तत्काल मौके पर पहुँची। सड़क पर गिरे विशाल पेड़ को हटाना एक बड़ी चुनौती थी, जिसके लिए पुलिस को त्वरित कार्रवाई करनी पड़ी। पुलिस ने जेसीबी (JCB) मशीन की मदद से गिरे हुए शीशम के पेड़ को काटने और हटाने का काम शुरू करवाया। कड़ी मशक्कत के बाद, लगभग ढाई घंटे बाद, दोपहर के ढाई बजे के आसपास सड़क को पूरी तरह से जाम से मुक्त करा लिया गया। जाम हटने के बाद ही सड़क पर यातायात सामान्य हो सका। इस दौरान यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

» वर्षों पुराने शीशम के पेड़ ने बाधित किया लिट्टीपाड़ा-हिरणपुर मुख्य मार्ग

पाकुड़ बंगाली एसोसिएशन ने मनाया महान संगीतकार सलिल चौधरी का जन्म शताब्दी समारोह

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।बीते शाम रविवार को बंगाली एसोसिएशन, पाकुड़ शाखा द्वारा महान संगीतकार, कवि, लेखक और गीतकार स्वर्गीय सलिल चौधरी की जन्म शताब्दी (19/11/1925 - 19/11/2025) अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाई गई। पाकुड़ में आयोजित इस कार्यक्रम में समिति के सम्मानित सदस्यों और कलाकारों ने सलिल चौधरी के विराट योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम की शुरुआत में, समिति के सदस्यों ने स्वर्गीय सलिल चौधरी के चित्र पर बारीक से फूलों की माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कलाकारों ने प्रस्तुत किए सलिल दा द्वारा निर्देशित गीत

इस अवसर पर, प्रबीर भट्टाचार्य ने सलिल चौधरी के जीवन और संगीत यात्रा पर आधारित एक विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने श्रोताओं को सलिल चौधरी के बहुमुखी प्रतिभा, जिसमें बंगाली और हिंदी सिनेमा में उनके कालजयी संगीत निर्देशन शामिल हैं, से अवगत कराया। इसके उपरांत, जगन्नाथ मंडल, स्नेहा कुमारी, राजू पाल, रुद्रदेव गांगुली और बेला मजूमदार सहित कई कलाकारों ने एक-एक करके सलिल चौधरी द्वारा निर्देशित और रचित मधुर संगीत और गीतों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभा में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।समारोह में समिति के अध्यक्ष मुकुल भट्टाचार्य, सचिव सर्वेश्वर साधु, सोमनाथ दास, कमला गांगुली, नारायण घोष, दिलीप घोष, पंचानन सरकार आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।बंगाली एसोसिएशन ने इस समारोह के माध्यम से संगीतकार सलिल चौधरी के कला और संस्कृति के प्रति समर्पण को याद किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी विरासत को संजोने का संकल्प लिया।

» संगीत, कवि और लेखक सलिल चौधरी को श्रद्धा सुमन अर्पित

पाकुड़ में खरीफ विपणन 2025-26 की तैयारी तेज, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।सोमवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में खरीफ विपणन मौसम 2025-26 की अनुश्रवण समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और किसान हितैषी बनाए रखना प्राथमिकता बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि जिले में धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को पारदर्शी, सुगम तथा किसानों के हित में संचालित करना जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिप्राप्ति कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई का चेतावनी भी दी। लैंप्स को किया जाएगा एल-4 स्तर पर उन्नत उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी चयनित लैंप्स को उन्नत करते हुए एल-4 स्तर पर सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धान खरीद केंद्रों पर आवश्यक संसाधन समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराए जाएँ, ताकि खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

सभी लैंप्स में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य

धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक लैंप्स में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया गया है। उपायुक्त ने कहा कि दृष्टि-निगरानी प्रणाली से खरीद प्रक्रिया की वास्तविक समय पर निगरानी की जा सकेगी और किसी भी अनियमितता पर तुरंत नियंत्रण किया जा सकेगा।

एटीएम/बीटीएम के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार

किसानों को अधिप्राप्ति प्रक्रिया, आवश्यक कागजात, मूल्य एवं समय-सारिणी की जानकारी देने के लिए कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधक (ATM) एवं प्रखंड प्रौद्योगिकी प्रबंधक (BTM) के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जानकारी गाँव-गाँव तक पहुँचे, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें।

किसानों के पंजीकरण पर विशेष जोर

बैठक में सभी प्रखंडों एवं लैंप्स को अधिकाधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि किसी पात्र किसान को अधिप्राप्ति प्रणाली से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और पंजीकरण कार्य में तेजी लाई जाए।

प्रति परिवार 80 क्विंटल धान की सीमा तय

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि अधिप्राप्ति के दौरान प्रति परिवार 80 क्विंटल से अधिक धान स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह व्यवस्था अधिक किसानों तक लाभ पहुँचाने और संतुलित खरीद व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लागू की गई है।

"खरीफ विपणन किसानों की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण चरण" - उपायुक्त

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि खरीफ विपणन मौसम किसानों की आर्थिक स्थिति से गहराई से जुड़ा हुआ है। अतः अधिप्राप्ति प्रणाली को पूर्णतः व्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-हितैषी बनाना सभी विभागों की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक गतिविधि की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी समस्या की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कटकमसांडी के कुरहागड़ा गांव का वीर जवान कैंसर से शहीद, गांव में पसरा मातम

नई सोच एक्सप्रेस

कटकमसाण्डी।कटकमसांडी प्रखंड के रेबर पंचायत अंतर्गत ग्राम कुरहागड़ा में गमगीन माहौल है। गांव के लाल, भारतीय सेना के बहादुर जवान शिवेंद्र यादव का कैंसर से निधन हो गया। महज 32 वर्षीय शिवेंद्र यादव, स्वर्गीय ईश्वरी यादव के सुपुत्र थे और परिवार व गांव का गर्व माने जाते थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। शिवेंद्र यादव ने वर्ष 2017 में आर्मी जीडी में भर्ती होकर देशसेवा का संकल्प लिया था। अनुशासन, परिश्रम और देशभक्ति से भरे शिवेंद्र ने अपनी सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण दायित्वों को सफलतापूर्वक निभाया। पिछले छह महीनों से वे एक गंभीर प्रकार के कैंसर से जूझ रहे थे। बीमारी से लड़ते हुए भी उनका हौसला अटूट रहा। पुणे स्थित आर्मी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां रविवार को उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना गांव पहुँचना मानो पूरे क्षेत्र पर दुख का पहाड़ टूटने जैसा था। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग एक वीर जवान की असमय विदाई को देश की बड़ी क्षति मान रहे हैं। शिवेंद्र यादव का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव कुरहागड़ा के श्मशान घाट में पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। अंतिम यात्रा में सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। सेना के अधिकारियों ने फूल-मालाओं के साथ उन्हें अंतिम सलामी दी। वातावरण "शिवेंद्र यादव अमर रहें" के नारों से गूंज उठा। अंतिम संस्कार में प्रखंड क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। किशोरी राणा, रितलाल यादव, सरयू यादव, शिक्षक हलधर यादव, यादव,मुकुंद राणा,तथा गांव के कई प्रबुद्ध लोग मौजूद थे। सभी ने वीर जवान की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक-संतप्त परिवार को सांत्वना दी। कुरहागढा गांव के लोगों का कहना है कि शिवेंद्र मिलनसार, मेहनती और हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। सेना में भर्ती होकर उन्होंने न केवल अपने माता-पिता का सपना पूरा किया, बल्कि गांव का नाम भी रोशन किया। गांव और उनके पड़ोसियों ने भावुक होकर कहा कि शिवेंद्र की मुस्कान और हिम्मत हमेशा याद रहेगी। गांव के युवाओं ने भी कहा कि शिवेंद्र की देशभक्ति उनके लिए प्रेरणा बनी रहेगी। सेना शिवेंद्र यादव की असमय मौत से गांव में गहरा शोक है, लेकिन उनकी वीरता, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना सदैव याद की जाएगी।

पाकुड़ विधायक निसात आलम ने दिया खस्ताहाल सड़क निर्माण का आश्वासन

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के विकास और जन-समस्याओं के समाधान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पाकुड़ जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री कुमार सरकार और सदर प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मंसारुल हक ने पाकुड़ विधानसभा की लोकप्रिय विधायक निसात आलम के इस्लामपुर स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की।इस बैठक का मुख्य एजेंडा पंचायत जयकिष्ठोपुर अंतर्गत नारायणखोर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उठाई गई क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं थीं। कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से ग्राम संपर्क सड़क/रास्ता निर्माण की मांग को पुरजोर तरीके से उठाया।

जर्जर मार्ग से आवागमन में हो रही कठिनाई

कार्यकर्ताओं ने विधायक महोदया को नारायणखोर गांव आने-जाने वाले मार्ग की जर्जर और खस्ताहाल स्थिति से विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सड़क की खराब हालत के कारण ग्रामीणों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। कार्यकर्ताओं ने विधायक जी से इस गंभीर समस्या के शीघ्र समाधान हेतु अनुरोध किया।

त्वरित सर्वे और समाधान का मिला आश्वासन

विधायक निसात आलम ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को अत्यंत गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि पंचायत के इस प्रमुख रास्ते का शीघ्र सर्वे करवाया जाएगा और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

विधायक निसात आलम ने इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सक्रियता की सराहना की। उन्होंने कहा, "जनता की समस्याओं को उठाना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।"बैठक में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विधायक जी के सकारात्मक और त्वरित रुख के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की जनता की आवाज़ को निरंतर बुलंद करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

2027 एकदिवसीय विश्कप खेलना है लक्ष्य : रोहित

एजेंसी, रांची

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने एक बार फिर कहा है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलना है। साथ ही कहा कि उम्र का खेल से कोई संबंध नहीं है। साथ ही कहा कि जब तक आप फिट हैं खेल सकते हैं। रोहित ने कहा कि उनकी क्रिकेट खेलने की भूख अभी समाप्त नहीं हुआ है। उनमें अब भी पहले वाला जुनून है। वह जिस प्रकार डेब्यू के समय खेलते थे अभी भी वैसे ही खेलते हैं ।38 साल के रोहित के बारे में अटकलें हैं कि उन्हें विश्व कप के लिए शायद ही जगह मिलेगी। वहीं रोहित के अनुसार वह विश्वकप खेलने के

क्रिकेट खेलने की भूख अभी समाप्त नहीं हुई

लिए तैयार हैं। एक वीडियो में रोहित ने कहा, जज़्बा और इच्छा शक्ति हर बार रहती है। फिर चाहे आपकी उम्र 38 हो या 28, हर बार देश के लिए खेलना सबसे बड़ा प्रेरणा स्रोत होता है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि एकदिवसीय क्रिकेट टेस्ट और टी20 के बीच का होने के कारण सबसे संतुलित और कौशल-आधारित प्रारुप है। उन्होंने कहा, एकदिवसीय टेस्ट और टी20, दोनों का मिश्रण है। इसमें सलामी बल्लेबाज को जिसे नई गेंद स्विंग गेंदों से खेलना पड़ता है, ऐसे में टेस्ट वाली मानसिकता से खेलना होता है कि जितना हो सके छोड़ो, शरीर के करीब खेलो। रोहित ने बताया कि उनका खेल के प्रति रवैया नहीं बदला है, वह हर मैच ऐसे खेलते हैं जैसे कि पहला मैच खेल रहे हों। जब मैंने 20 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था, तब जैसा ड्राइव था, वैसा ही आज भी है।वहीं भारतीय सहयोगी स्टाफ में शामिल मोनी मॉर्केल और कई पूर्व क्रिकेटरों का भी मानना है कि रोहित और विराट कोहली 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलेंगे। अब रोहित ने भी इसकी पुष्टि कर दी है

प्रीमियर लीग 2025-26: 10 खिलाड़ियों वाली चेल्सी ने आर्सेनल को 1-1 से रोका, रोमांचक लंदन डर्बी में अंक बांटे

एजेंसी, लंदन

दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही चेल्सी ने रविवार को खेले गए बेहद उतार-चढ़ाव भरे लंदन डर्बी मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष टीम आर्सेनल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। मिकेल मेरिनो ने ट्रेवोह चालोबा के शुरुआती गोल का जवाब देकर आर्सेनल को हार से बचाया। इस परिणाम के साथ आर्सेनल 30 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर कायम है और दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी से पांच अंक आगे है। वहीं, चेल्सी 24 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

पहले ही 10 खिलाड़ी रह गई थी चेल्सी- पहले हाफ में 38वें मिनट में मोइसेस कैइसेडो को वीएआर जांच के बाद मेरिनो पर खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड मिला, जिससे चेल्सी 10 खिलाड़ियों पर आ गई। इसके बावजूद चेल्सी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। कप्तान रीस जेम्स की कॉर्नर किक पर ट्रेवोह चालोबा ने तीसरे मिनट में शानदार हेडर के जरिए गोल कर टीम को 1-0 से आगे किया।

मेरिनो ने दिलाई बराबरी- 59वें मिनट में बुकॉयो साका के क्रॉस पर मेरिनो ने बेहतरीन हेडर मारकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद आर्सेनल ने लगातार दबाव बनाया। सब्स्टीट्यूट मार्टिन ओडेगार्ड दो बार करीब से चूक गए, जबकि अंतिम क्षणों में मेरिनो के शक्तिशाली प्रयास को गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया।

खिलाड़ियों में तनातनी, 7 पीले कार्ड- मैच की शुरुआत से ही जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। रेफरी एंथनी टेलर ने कुल सात पीले कार्ड दिखाए—छह आर्सेनल को और एक चेल्सी के मार्क कुकुरेला को, जो पूरे मैच में साका को रोकने में व्यस्त नजर आए।

"एक अंक पाकर निराशा, लेकिन टीम पर गर्व" — रीस जेम्स- चेल्सी कप्तान रीस जेम्स ने कहा, "हम जल्दी ही 10 खिलाड़ी रह गए थे, जिससे मैच मुश्किल हो गया। फिर भी टीम ने दबाव झेला और शानदार काउंटर किए।"

दाहिनी ओर पेड्रो नेटो लगातार सक्रिय रहे, और 78वें मिनट में सब्स्टीट्यूट लियम डेलैप का बढ़िया शॉट डेविड राया ने रोक दिया।

"थोड़ा और बेहतर होते तो जीत सकते थे" — मेरिनो- मेरिनो ने कहा, "चेल्सी की डिफेंस बेहद संगठित थी, लेकिन अगर हम और बेहतर होते तो ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते थे। टीम ने गोल खाने के बाद अच्छी प्रतिक्रिया दी।"

इस तरह, बेहद तनावपूर्ण और रोमांचक लंदन डर्बी आखिरकार 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई, जिसमें दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, "मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।" कोटक ने साथ ही कहा, " पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।" कोहली ने मैच के बाद कहा, "मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।" वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

पैर में फ्रैक्चर से स्पेन की स्टार फुटबॉलर बोनमती नेशंस लीग फाइनल से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

स्पेन की मिडफील्डर ऐताना बोनमती नेशंस लीग फाइनल के दूसरे चरण से बाहर हो गई हैं। रविवार को ट्रेनिंग के दौरान उनकी बाईं फिबुला (पैर की हड्डी) में फ्रैक्चर हो गया था। बोनमती ने शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ खेले गए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में हिस्सा लिया था, जो 0-0 की बराबरी पर खत्म हुआ था। इसके बाद टीम दूसरे चरण की तैयारी कर रही थी, जो 2 दिसंबर को एस्टाडियो मेट्रोपोलितानो में खेला जाना है। रॉयल स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन के अनुसार रविवार को मेडिकल जांच के बाद पाया गया कि ऐताना बोनमती की बाईं फिबुला में फ्रैक्चर है। खिलाड़ी अब बार्सिलोना लौटेंगी और वहीं से अपनी रिकवरी शुरू करेंगी। 27 वर्षीय बोनमती के लिए यह चोट ऐसे समय आई है जब उन्होंने बेहद शानदार साल बिताया है। वह तीन बार विमेन्स बैलन ड'ओर जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं, बार्सिलोना को घरेलू ट्रेबल दिलाने में अहम भूमिका निभाई और स्पेन के साथ यूरो 2025 फाइनल तक पहुंचीं।

दूसरे एशेज टेस्ट से बाहर हो सकते हैं वुड, टंग या पॉट्स को मिल सकता है मौका

एजेंसी, ब्रिसबेन

पहले ही एशेज सीरीज में 1-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ना तय है। इसका कारण है कि उसके तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने की चोट के कारण 4 दिसंबर से शुरु हो रहे इस मैच से बाहर हो सकते हैं। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं। वुड का पुराना घुटने का दर्द उभर गया है वुड ने अपने बाएं घुटने में दर्द की शिकायत की है। इस घुटने की उनकी सर्जरी भी हुई थी। जिसके कारण वह नौ महीने तक क्रिकेट से बाहर रहे थे। पर्थ में पहले मैच में वह खेलने उतरे जरुर थे पर उनकी गेंदबाजी उम्मीद के अनुसार नहीं रही। इस तेज गेंदबाज ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में केवल 11 ओवर फेंके थे, जिसमें इंग्लैंड को दो दिन के अंदर ही करारी हार का सामना करना पड़ा था। वुड के घुटने की सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह जिम्बाब्वे और भारत के खिलाफ इंग्लैंड की घरेलू सीरीज से भी बाहर रहे थे। घुटने के दर्द के कारण ही वुड इंग्लैंड के वैकल्पिक अभ्यास सत्र में भी शामिल नहीं हुए थे। इससे ये तय तय माना जा रहा है कि वह गुरुवार से गाबा में शुरू होने वाले डे-नाइट (गुलाबी गेंद) टेस्ट में नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह पर वुड के स्थान जोश टंग या मैथ्यू पॉट्स आ सकते हैं। टंग इस समय इंग्लैंड लायंस के साथ कैनबरा में प्राइम मिनिस्टर एकादश के खिलाफ डे-नाइट मैच खेल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने गाबा में होने वाले दूसरे एशेज टेस्ट के लिए 14 सदस्यों वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया है, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से उबर रहे हैं और दूसरे मैच से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड टीम ब्रिस्बेन पहुंच गयी है। उसके तीन खिलाड़ी जैकब बेथेल, मैथ्यू पॉट्स और जोश टंग को ही प्रधानमंत्री एकादश से खेलने का अवसर मिला है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांक की चाल में मामूली गिरावट भी आई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से जेएसडब्ल्यू स्टील, कोटक महिंद्रा, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी), मारुति सुजुकी और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.54 प्रतिशत से लेकर 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, बजाज फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सिप्ला और टाइटन कंपनी के शेयर 0.94 प्रतिशत से लेकर 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,058 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,278 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 780 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 359.25 अंक की मजबूती के साथ 86,065.92 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पहले आधे घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 86,159.09 अंक के स्तर पर पहुंच कर ऑल टाइम हाई का नया रिकार्ड बनाने में

सफल रहा। इस ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। राहत की बात यही रही कि मामूली बिकवाली के बावजूद ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 271.37 अंक की बढ़त के साथ 85,978.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 122.85 अंक उछल कर 26,325.80 अंक के नए ऑल टाइम हाई लेवल से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक सुबह 10 बजे के करीब 26,263.20 अंक तक गिर गया। राहत की बात यही रही कि बिकवाली का दबाव बनने के बावजूद ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही कारोबार करता रहा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 78.85 अंक की मजबूती के साथ 26,281.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 13.71 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 85,706.67 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी ने 12.60 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,202.95 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने की कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,810 रुपये से लेकर 1,29,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,990 रुपये से लेकर 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,84,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,960 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10

ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,860 रुपये प्रर्ता 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने एसएमजी के साथ विलय की प्रक्रिया आज से लागू हुई

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के साथ विलय की प्रक्रिया पूरी कर ली है, जो आज से प्रभावी हो चुकी है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की मंजूरी के बाद आज 01 दिसंबर से विलय लागू हुआ है। कंपनी ने सोमवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में शेयर बाजार बताया कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और सुजुकी मोटर गुजरात के साथ विलय की योजना प्रभावी हो गई है। कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के जारी आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल कर दी है। इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के एमएसआईएल में विलय की योजना को मंजूरी दी गई है। मोटर वाहन विनिर्माता एमएसआईएल ने बताया कि इस योजना की प्रभावशीलता के परिणामस्वरूप कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15

हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। मारुति ने कहा कि इस विलय के बाद सुजुकी मोटर गुजरात का संचालन, संपत्ति और जिम्मेदारियां अब पूरी तरह से मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड में एकीकृत हो गई हैं और एसएमजी का स्वतंत्र अस्तित्व समाप्त हो गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर आज मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के शेयर 0.15 फीसदी बढ़कर 15,917.25 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

सकल जीएसटी राजस्व संग्रह नवंबर में 0.7 फीसदी बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में 0.7 फीसदी की मामूली वृद्धि के साथ 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा है। पिछले साल नवंबर में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.69 लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक रहा था। घरेलू राजस्व में गिरावट के कारण जीएसटी संग्रह कम हुआ है। जीएसटी महानिदेशालय ने सोमवार को बताया कि नवंबर में देश का जीएसटी राजस्व संग्रह 1,70,276 करोड़ रुपये रहा, जो नवंबर, 2024 की तुलना में 0.7 फीसदी अधिक है। वहीं, कुल नेट जीएसटी राजस्व

संग्रह 1.3 फीसदी बढ़कर 1.52 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले महीने अक्टूबर में जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 4.6 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 1.87 लाख करोड़ रहा था। नवंबर महीने के 1,70,276 करोड़ रुपये के कुल जीएसटी राजस्व संग्रह में से सीजीएसटी 34,843 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 42,522 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 92,910 करोड़ रुपये शामिल है। वहीं, 1.52 लाख करोड़ रुपये के नेट जीएसटी राजस्व संग्रह में सीजीएसटी 32,664 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 39,805 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 79,611 करोड़ रुपये शामिल है। जीएसटी महानिदेशालय के मुताबिक नवंबर में सकल घरेलू राजस्व 2.3 फीसदी घटकर 1.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह गिरावट 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी के बाद आई है।

विमान ईंधन की कीमत 5.4 फीसदी बढ़ी, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5.4 फीसदी का इजाफा किया है। तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप एटीएफ में मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। हालांकि, मूल्य परिवर्तन के प्रभाव पर विमानन कंपनियों से तत्काल कोई टिप्पणियां नहीं मिल पाई है। नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गयी हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक एटीएफ के दाम में इजाफा के बाद नई दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 5,133.75 रुपये बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। वहीं, मुंबई में एटीएफ की कीमत 93,281.04 रुपये प्रति

किलोलीटर, जबकि चेन्नई और कोलकाता में कीमतें क्रमशः 1,03,301.80 रुपये और 1,02,371 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई हैं। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम हर महीने की पहली तारीख को अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर विमान ईंधन की कीमतों में संशोधन करती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।